राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 04 मई 2025 वर्ष-8,अंक-74 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहलगाम हमले के बाद पहली बार पीएम मोदी से मिले उमर अब्दुल्ला

-बोले - जम्मू-कश्मीर देगा हर कदम पर केंद्र को सहयोग

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली सीधी बातचीत थी। करीब 30 मिनट चली इस बैठक में हमले के बाद की सुरक्षा स्थिति, आतंकवाद के खिलाफ केंद्र की रणनीति और जम्मू-कश्मीर प्रशासन के सहयोग पर विस्तृत चर्चा हुई। नेशनल कांफ्रेंस से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, सीएम उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री मोदी को आश्वासन दिया कि केंद्र द्वारा लिए जाने वाले किसी भी निर्णायक कदम में जम्मू-कश्मीर प्रशासन पूरी तरह से सहयोग करेगा, विशेषकर सुरक्षा और आतंकवाद से निपटने के मसलों पर। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब केंद्र सरकार पाकिस्तान को लेकर कड़ा रुख अपना रही है और जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई के संकेत दे चुकी है।

रूस में 9 मई को होने वाली विजय परेड में शामिल नहीं होंगे राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस ने इस साल विक्ट्री डे समारोह में आमंत्रित किया था, लेकिन उन्होंने अपनी यात्रा रद्द कर दी। अब उनकी जगह रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। अब भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के 9 मई को मॉस्को में आयोजित होने वाले रूस के विजय दिवस परेड में भाग लेने की संभावना नहीं है। रूस की विक्ट्री डे परेड द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी पर सोवियत संघ की जीत की 80वीं वर्षगांठ के तौर पर आयोजित की जा रही है। यह कार्यक्रम रूस की राष्ट्रीय शान का प्रतीक माना जाता है और इसमें कई वैश्विक नेता व सैन्य प्रतिनिधि हिस्सा लेते हैं। हालांकि, रूस की ओर से प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा रद्द करने के पीछे कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया गया है, लेकिन सूत्रों के अनुसार 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए यह फैसला लिया गया।

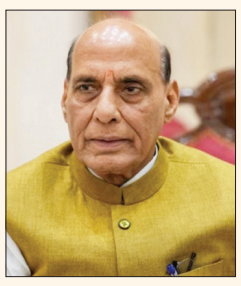

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी पिछले वर्ष दो बार रूस की यात्रा पर गए थे- एक बार राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ वार्षिक सम्मेलन के लिए और दूसरी बार कजान में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन में भाग लेने के लिए। इस बीच, रूस ने कई मित्र देशों के नेताओं को इस परेड में आमंत्रित किया है, जिसमें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी शामिल हैं, जिन्होंने अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। भारत और रूस के बीच दशकों पुराने सैन्य और रणनीतिक संबंधों के बावजूद, मौजूदा भूराजनीतिक स्थिति ने भारत के इस निर्णय को प्रभावित किया है। इस वर्ष के अंत में राष्ट्रपति पुतिन भारत की यात्रा पर आ सकते हैं, जहां वह भारत-रूस वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। पहलगाम हमले की निंदा करते हुए पुतिन ने इसे क्रूर अपराध बताया और आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस हमले के बाद सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि आतंकियों और उनके सरपरस्तों को धरती के किसी भी कोने में ढूंढ़कर सजा दी जाएगी। मंगलवार को हुई उच्चस्तरीय सुरक्षा बैठक में पीएम ने सशस्त्र बलों को खुली छूट देने का आदेश भी दिया। इस बीच पाकिस्तान ने भारत पर संभावित सैन्य कार्रवाई का डर जताया है।

निर्मल कपूर का निधन, मां के संघर्ष को याद कर भावुक हुए अनिल और बोनी कपूर

मुंबई। बॉलीवुड का प्रतिष्ठित कपूर परिवार वर्तमान में गहरे शोक में डूबा हुआ है। अनिल, बोनी और संजय कपूर की मां श्रीमती निर्मल कपूर का 90 वर्ष की उम्र में निधन हुआ। वे पिछले कुछ समय से उम्र से जुड़ी बीमारियों से जूझ रही थीं। उनके निधन की खबर ने न केवल कपूर परिवार को गमगीन कर दिया, बल्कि पूरे फिल्म इंडस्ट्री में भी शोक की लहर दौड़ गई। निर्मल कपूर सिर्फ एक मां नहीं थीं, बल्कि वे उस मजबूत स्तंभ की तरह थीं, जिन्होंने संघर्षों के दिनों में पूरे कपूर परिवार को बंधे रखा था। उनके चार बच्चे बोनी, अनिल, संजय और रीना, सभी उनके मार्गदर्शन में पले-बढ़े और आज फिल्म इंडस्ट्री में अपनी-अपनी पहचान बना चुके हैं। अनिल और बोनी कपूर ने कई बार इंटरव्यू में अपनी मां के संघर्षों का जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि कैसे निर्मल ने उन्हें मेहनत, ईमानदारी और आत्मसम्मान के साथ जीना सिखाया। निर्मल की शादी फिल्म निर्माता सुरिंदर कपूर से हुई थी। जब वे साउथ इंडियन सिनेमा से मुंबई आए, तब शुरुआती दिन बेहद संघर्षपूर्ण रहे। उनके पास रहने के लिए भी जगह नहीं थी। इस मुश्किल समय में परिवार को राज कपूर के घर के गैरेज में किराए पर रहना पड़ा, जहां आमतौर पर ड्राइवर और नौकर रहा करते थे। तब निर्मल ने अपने बच्चों को विपरीत हालात में भी मजबूत रहना सिखाया। अनिल ने बताया कि हमारे पास खर्च करने के लिए पैसे नहीं होते थे। लेकिन मम्मी हमेशा कहती थीं कि मेहनत करो, सब ठीक होगा।

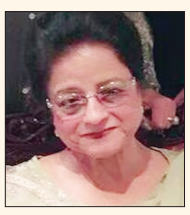

पीएम मोदी ने अंगोला के राष्ट्रपति लौरेंको के साथ की द्विपक्षीय बैठक

-दोनों देश ने आतंकवाद को मानवता के लिए बताया खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेन्द्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इसके बाद उन्होंने कहा कि मैं राष्ट्रपति लौरेंको और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करता हूं। यह एक ऐतिहासिक क्षण है। 38 साल बाद अंगोला के राष्ट्रपति की यह भारत यात्रा है। उनकी यात्रा न केवल भारत और अंगोला के बीच संबंधों को एक नई दिशा देगी, बल्कि भारत-अफ्रीका संबंधों को भी मजबूत करेगी।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और अंगोला अपने राजनीतिक संबंधों की 40वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। जब अंगोला अपनी आजादी के लिए लड़ रहा था, तब भारत उसके साथ खड़ा था। आज हम कई क्षेत्रों में साझेदार हैं। भारत तेल और गैस के सबसे बड़े खरीदारों में से एक है। हमने अपने ऊर्जा

संबंधों को मजबूत करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि हम अंगोला की सशस्त्र सेनाओं के आधुनिकीकरण के लिए 200 मिलियन डॉलर की रक्षा ऋण सहायता प्रदान करेंगे।

उन्होंने कहा कि हम अंगोला के सशस्त्र बलों के प्रशिक्षण में सहायता करके खुश होंगे। अपनी विकास साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए, हम डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण में अंगोला के साथ अपनी क्षमताओं को साझा करेंगे। आज हमने स्वास्थ्य सेवा, हीरा प्रसंस्करण, उर्वरक और महत्वपूर्ण खनिजों में अपने संबंधों को और मजबूत करने का फैसला लिया है। अंगोला में योग और बॉलीवुड की लोकप्रियता हमारे सांस्कृतिक संबंधों की मजबूती का प्रतीक है। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देश इस बात पर एकमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए खतरा है। मैं पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए राष्ट्रपति लौरेंको और अंगोला को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने साफ कहा कि हम आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों के खिलाफ़ ठोस और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ़ हमारी लड़ाई में अंगोला के समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

गोवा के लइराई देवी मंदिर में अचानक मची भगदड़, 7 की मौत

पणजी (एजेंसी)। प्रसिद्ध लइराई देवी मंदिर में शनिवार को भगदड़ मच गई। इस भगदड़ में कम से कम 7 लोगों के मारे जाने की खबर है। मरने वालों में महिलाएं भी शामिल हैं। वहीं 70 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। घायलों को पास के अस्पताल पहुंचाया गया है। नॉर्थ गोवा के एसपी अक्षत कौशल ने यह जानकारी दी है। भगदड़ के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। जानकारी के मुताबिक हर साल की तरह पारंपरिक जात्रा में हिस्सा लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए थे। भारी भीड़ के चलते वहां भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद घायलों का हाल जाने मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत भी पहुंचे।

लइराई देवी की पूजा मुख्य रूप से गोवा में की जाती है। यहां हर साल आयोजित होने वाले जात्रा को को शिरगांव जात्रा के नाम से भी जाना जाता है। यह जात्रा चैत्र मास में कई दिनों तक चलती है। इसमें लोग दहकते अंगारों पर नंगे पैर चलते हैं। भक्त एक पवित्र झील में स्नान करते हैं। इससे पहले लोग व्रत और पूजा करते हैं। मंदिर से देवी की भव्य शोभा यात्रा निकाली जाती है। बता दें कि गोवा के श्रीगांव को लेकर कई कहनियां प्रचलित हैं। लइराई देवी का मंदिर होने की वजह से यहां पर शराब और अंडा तक प्रतिबंधित है। कोई किसी जानवर की हत्या नहीं कर सकता। इस गांव में घोड़े भी प्रवेश नहीं कर सकते। बड़ी संख्या में लोग लइराई देवी के दर्शन करने पहुंचते हैं।

क्या श्रीलंका पहुंचे पहलगाम हमले के संदिग्ध? सूचना मिलते ही हड़कंप, विमान में ली गई तलाशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंकाई पुलिस ने शनिवार को चेन्नई से श्रीलंका आ रहे विमान की तलाशी ली। बताया जा रहा है कि उन्हें सूचना मिली थी कि पहलगाम आतंकी हमले से जुड़ा एक संदिग्ध विमान में सवार हो सकता है। राष्ट्रीय वाहक, श्रीलंकन एयरलाइंस की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि उसका विमान चेन्नई से कोलंबो के भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुबह करीब 11:59 बजे पहुंचा और आगमन पर व्यापक सुरक्षा निरीक्षण से गुजरा।

बयान में कहा गया, 'भारत में वांछित एक संदिग्ध के विमान में सवार होने के बारे में चेन्नई क्षेत्र नियंत्रण केंद्र से अलर्ट मिलने के बाद स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय में तलाशी ली गई।' विमान की गहन जांच की गई और बाद में आगे के संचालन के लिए मंजूरी दे दी गई। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमलों के बाद देश में कड़ी सतर्कता के बीच चेन्नई हवाई अड्डे के अधिकारियों को एक धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद सुरक्षा उपाय शुरू किए गए, जिसमें दावा किया गया था कि लश्कर के पांच आतंकवादी श्रीलंकाई एयरलाइंस के विमान में सवार हैं।

मुख्य सुरक्षा अधिकारी को सुबह 11.05 बजे धमकी भरा मेल मिला, जिसे 'गैर-विशिष्ट' श्रेणी में रखा गया था। इसमें लिखा था, 'यूएल 122 (सुबह 9.55 बजे) पर मौजूद पांच दक्षिण भारतीय पुरुष लश्कर के सदस्य हैं। साफ-सुथरी प्रोफ़ाइल, अच्छी तरह से प्रशिक्षित, कोई संदेह नहीं।' जब तक ईमेल प्राप्त हुआ, तब तक विमान पहले ही रवाना हो चुका था, और सूचना कोलंबो हवाई अड्डे को दे दी गई, जहाँ यात्रियों की गहन सुरक्षा जांच की गई, तथा उन्हें विमान से उतारा गया। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि कोई भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि नहीं मिली, क्योंकि बाद में यह संदेश एक धोखा निकला।

श्रीलंकन एयरलाइंस के एक बयान में कहा गया कि उसके विमान की गहन जांच की गई और बाद में उसे आगे के संचालन के लिए मंजूरी दे दी गई। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल (मंगलवार) को आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी, जिनमें ज़्यादातर पर्यटक थे। भारतीय अधिकारियों ने पहलगाम में हुए नरसंहार के पीछे तीन पाकिस्तानी नागरिकों सहित पाँच आतंकवादियों की पहचान की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के पीछे के आतंकवादियों और उनकी कल्पना से परे साजिश में शामिल लोगों को दंडित करने की कसम खाई, उन्होंने जोर देकर कहा कि देश के दुश्मनों ने न केवल निहत्थे पर्यटकों को निशाना बनाया, बल्कि भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया।

पाकिस्तान की उड़ी नींद! चार दिन लड़ने के लिए भी गोला बारूद नहीं, भारत के फाइनल वार से पहले ही थर्राया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की सेना तोपखाने के गोला-बारूद की गंभीर कमी का सामना कर रही है, जिससे उसकी युद्ध क्षमताएँ गंभीर रूप से सीमित होकर केवल चार दिनों तक ही सीमित रह गई हैं। इस कमी का कारण देश द्वारा यूक्रेन के साथ हाल ही में किए गए हथियार सौदे हैं, जिससे उसके युद्ध भंडार समाप्त हो गए हैं। सूत्रों का कहना है कि सेना को आपूर्ति करने वाली पाकिस्तान आयुध फैक्ट्रियों (पीओएफ) को बढ़ती वैश्विक मांग और पुरानी उत्पादन सुविधाओं के बीच आपूर्ति को फिर से भरने के लिए संघर्ष करना पड़ा है।

नतीजतन, पाकिस्तान के गोला-बारूद के भंडार केवल 96 घंटे के उच्च-तीव्रता वाले संघर्ष को झेल सकते हैं, जिससे उसकी सेना कमजोर हो जाती है। भारत की संख्यात्मक श्रेष्ठता का मुकाबला करने के लिए तेजी से लामबंदी पर केंद्रित पाकिस्तान का सैन्य सिद्धांत तोपखाने और बख्तरबंद इकाइयों पर टिका है। अपने M109 हॉवित्जर के लिए पर्याप्त 155 मिमी के गोले या अपने BM-21 सिस्टम के लिए 122 मिमी रॉकेट के बिना, भारतीय आक्रमण को विफल करने की सेना की क्षमता गंभीर रूप से कम हो जाती है।

अप्रैल 2025 में एक्स पर सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया गया था कि पाकिस्तान के तोपखाने-भारी सिद्धांत के लिए महत्वपूर्ण 155 मिमी तोपखाने के गोले यूक्रेन को भेज दिए गए थे, जिससे भंडार खतरनाक रूप से कम हो गया। घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया पीओएफ, बढ़ती वैश्विक मांग और पुरानी उत्पादन सुविधाओं के बीच आपूर्ति को फिर से भरने के लिए संघर्ष कर रहा था। हालांकि, यूक्रेन को 155 एमएम गोला-बारूद की बिक्री के साथ, सभी 155 मिमी बंदूक प्रणाली, जिनमें उनके स्व-चालित और एमजीएस तोपखाने शामिल हैं, गोला-बारूद के पर्याप्त स्टॉक के बिना हैं।

तोपखाने के गोला-बारूद की कमी का पाकिस्तान के सैन्य सिद्धांत पर गंभीर प्रभाव पड़ता है, जो तोपखाने और बख्तरबंद इकाइयों पर बहुत अधिक निर्भर करता

है। पर्याप्त गोला-बारूद के बिना, भारतीय आक्रमण को विफल करने की पाकिस्तानी सेना की क्षमता गंभीर रूप से कम हो जाती है। इससे पहले, पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने इन सीमाओं को स्वीकार करते हुए कहा था कि पाकिस्तान के पास भारत के साथ लंबे समय तक संघर्ष करने के लिए गोला-बारूद और आर्थिक ताकत की कमी है। सूत्रों का कहना है कि खुफिया रिपोर्टों से पता चला है कि पाकिस्तान ने संभावित संघर्ष की आशंका में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास गोला-बारूद के डिपो बनाए हैं।

केदारनाथ धाम के कपाट खुले, पहली पूजा पीएम मोदी के नाम से

देहरादून। भगवान केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई को सुबह 7 बजे वैदिक मंत्रोचार और पूजा अर्चना के साथ श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए हैं। इसके साथ ही केदारनाथ के लिए हेली सेवा भी शुरू हो गई है। कपाट खुलने के दौरान हर हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों के साथ ही सेना के बैंड की मधुर धुनों के बीच भक्तों का उत्साह देखते ही बनाता था। धार्मिक परंपरा निभाने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बाबा केदार के दर्शन कर संपूण प्रदेश और देश की खुशहाली के लिए मंदिर में प्रार्थना की। मंदिर में पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से कराई गई। पहले दिन 30154 श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए। अब, छह माह तक भगवान केदारनाथ की पूजा केदारनाथ धाम में होगी। बीकेटीसी के वेदपाठी, आचार्य और तीर्थपुरोहित के वेद मंत्रों के बीच ठीक 7 बजे मंदिर का मुख्य द्वार खुला। कपाट खुलते ही मंदिर में पहली पूजा प्रधानमंत्री मोदी के नाम से हुई। सीएम ने देश की खुशहाली के लिए विशेष पूजा करने के साथ बाबा केदारनाथ का रुद्राभिषेक किया। इसके बाद उन्होंने नंदी महाराज को वस्त्र पहनाकर पूजा-अर्चना की। इससे पूर्व मंदिर के मुख्य द्वार पर केदारनाथ रावल द्वारा मंदिर में भगवान केदारनाथ धाम की महत्ता और कपाटोत्सव की परम्परा और पूजा को लेकर जानकारी दी गई। कपाटोत्सव के लिए केदारनाथ मंदिर को 108 कुंतल फूलों से सजाया गया था।

महाराष्ट्र, तमिलनाडु और राजस्थान के बीच सीधी रेल सेवा शुरू

*** महाराष्ट्र और तमिलनाडु से राजस्थान को जोड़ने वाली दो नई ट्रेनों को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिखाई हरी झंडी**

*** इन ट्रेनों के शुरू होने से तीनों ही राज्यों में व्यापार और वाणिज्य के साथ-साथ पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा**

पुणे (एजेंसी)। केंद्रीय रेल तथा सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को पुणे (हडपसर)-जोधपुर एक्सप्रेस और एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-जोधपुर (भगत की कोठी) एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन ट्रेन सेवाओं के शुरू होने से अब महाराष्ट्र, तमिलनाडु और राजस्थान के बीच सीधी रेल यात्रा की सुविधा उपलब्ध हो गई है। इन ट्रेनों के शुरू होने से तीनों ही राज्यों में व्यापार और वाणिज्य के साथ-साथ पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा इन क्षेत्रों के बीच व्यापार और व्यवसायिक संपर्क को बढ़ावा मिलेगा। लंबी दूरी के यात्रियों के समय में बचत होगी। इन ट्रेनों का संचालन शुरू होने से तीनों राज्यों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्रीय एकता को बढ़ावा मिलेगा।

इस अवसर पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आज राजस्थान और विशेषकर पश्चिमी राजस्थान को जोड़ने वाली दो ट्रेनों एक महाराष्ट्र से और एक तमिलनाडु से रवाना हो रही हैं। प्रदानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्षों से जो हमारी डिमांड थी, आज उसे पूरी कर दी है। केंद्रीय रेल मंत्री ने कहा कि जो काम 70 सालों में नहीं हुआ, वो इन 10 वर्षों में केंद्र की सरकार ने करके दिखाया है। 1300 रेलवे स्टेशनों का पुनर्निमाण होने के बारे में कोई सोच नहीं सकता था। ऐसा काम प्रधानमंत्री ने हाथ में लिया। दुनिया में आज ये सबसे बड़ा स्टेशन रीडेवलपमेंट का कार्यक्रम अगर कहीं पर हो रहा है, तो वो भारत में हो रहा है। 34,000 किलोमीटर नए रेलवे ट्रैक बनाए गए हैं, जिसमें डबलिंग, गेज कनवर्जन, तीसरी लाइन, चौथी लाइन शामिल है। ये 34,000 का मतलब है कि जर्मनी जैसे समृद्ध देश का जितना रेल नेटवर्क है, उतना तो केंद्र की मोदी सरकार ने इन 10 वर्षों में जोड़ दिया है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि ये 10 वर्षों का काम तो शुरुआत है, एक ट्रेलर है। आने वाले समय में सब देखेंगे कि कैसे विकसित भारत की नींव बनती है, कैसे हमारे सपनों का भारत बनता है। उन्होंने कहा कि ये नई टेकनोलॉजी की गाड़िया आई हैं, वंदे भारत का उसका सबने आनंद लिया। उन्होंने कहा कि महराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर से पुणे के बीच वंदे भारत ट्रेन की मांग की है।

प्रधानमंत्री जल्द ही इस मांग को भी पूरी करेंगे। पुणे से नगर की सीधी डबल रेल लाइन का भी पूरा डीपीआर तयार है। बहुत जल्दी उसका काम भी शुरू होगा। उन्होंने कहा कि पुणे की कैपैसिटी को डबल करने का को उन्होंने वादा किया था वो भी पूरा होगा। क्योंकि पुणे में बहुत कंजेशन है। पुणे का एक अलग ही गौरव है। यह छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्य भूमि है। इस भूमि का गौरव ही कुछ और है। इसके लिए यह पूरी डीपीआर तैयार की है।

क्या सही साबित होगी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी की भविष्णवाणी

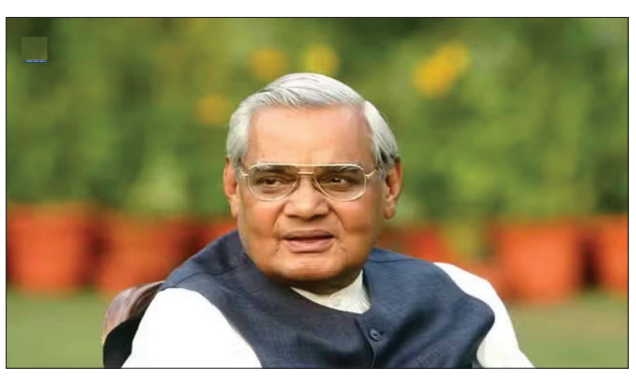

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई बड़े अहम फैसले किए हैं। फिलहाल, भारत ने बड़ा कदम उठाकर सिंधु जल समझौते को रोक दिया है। सालों से खून की नदियां बहाने वाले पाकिस्तान को सिंधु जल प्रणाली के पानी को रोक दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि अगला विश्वयुद्ध पानी के लिए लड़ा जाएगा। दक्षिण एशिया में अगला बड़ा युद्ध ब्रह्मोस जैसी मिसाइलें या राफेल जैसे लड़ाकू विमानों से नहीं लड़ जाएगा। यह युद्ध नदियों से लड़ा जा सकता है। इसके बाद पाकिस्तान की फसलें बर्बाद हो सकती हैं,शहरों में सूखा और अकाल पड़ सकता है।

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने फिर सिंधु जल संधि को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जानते हैं कि दोनों पड़ोसी देशों का इतिहास सिंधु से जुड़ा हुआ है। न हम मोदी को सिंधु का गला दबाने देने वाले हैं, और भगवान की इच्छा से भारत के लोग भी ऐसा नहीं करने देने वाले है। बिलावल ने फिर कहा कि पाकिस्तान युद्ध नहीं चाहता लेकिन अगर भारत ने सिंधु पर हमला किया, तब उन्हें पता है कि उस नदी में या पानी बहेगा या खून।

1960 में विश्व बैंक की मध्यस्थता से सिंधु जल संधि हुई थी। भारत ने बड़ा दिल दिखाकर सिंधु जल प्रणाली के पानी का 80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान को दिया है। भारत ने पूर्वी नदियों (रावी, ब्यास, सतलुज) का नियंत्रण बरकरार रखा, जबकि पाकिस्तान को पश्चिमी नदियां (सिंधु, झेलम, चिनाब) मिलीं। ऐतिहासिक रूप से, भारत ने 1965, 1971 और कारगिल संघर्ष जैसे युद्धों के दौरान भी पानी का प्रवाह नहीं रोका। हर बड़े आतंकी हमले के बाद चाहे संसद (2001), मुंबई (2008), पठानकोट (2016) या पुलवामा (2019) हो, भारत ने संधि को छूने से परहेज किया। रणनीतिक फायदे को ज्यादा प्राथमिकता दी। इतिहास में यह दुर्लभ है कि कोई राष्ट्र दशकों तक हाइब्रिड युद्ध का सामना करने के बावजूद इतना संयम बनाए रखे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईटी क्षेत्र के रोजगारों पर मंडराता नया जोखिम

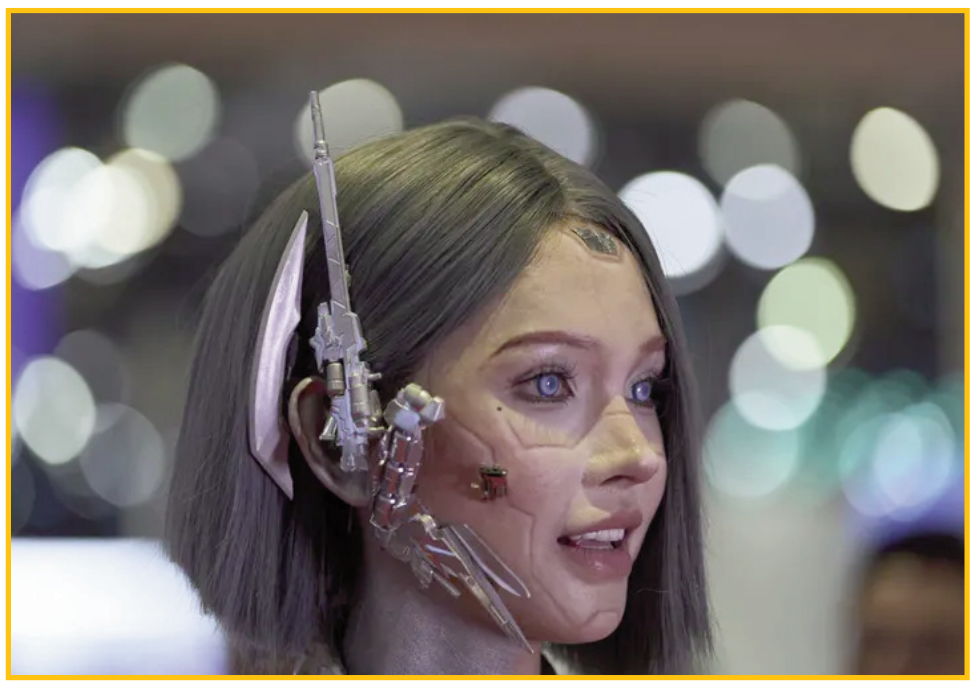

हमारी कंपनियों और यहां तक कि सरकार को भी प्रयास करना होगा कि कैसे रोजगार बढ़े। एमएनसी निवेश बैंक और वित्तीय सेवा प्रदाता कंपनी मोरगैन स्टेनली का कहना है कि यह संक्रमण का दौर है। ऐसे दौर पहले भी आये थे और उनका मुकाबला किया गया। 2016-17 में भी ऐसा हुआ था और अभी उसी दौर से हम गुजर रहे हैं। आईटी सेक्टर पर इसका असर ज्यादा पड़ रहा है और उनके प्रॉफिट में या तो कमी आ रही है या फिर वे स्थिर हैं। यह उनके लिए चिंता का विषय है।

एआई का इस्तेमाल/ मधुरेन्द्र सिन्हा

आईटी सोर्सिंग के विश्व में सबसे बड़े केंद्र भारत की आईटी कंपनियों के लिए एआई बड़ी चुनौती बन कर सामने आई है। दरअसल एआई के कारण कोडिंग जैसे कई तरह के ज़ॉब्स खतरे में पड़ सकते हैं जिन्हें यह बड़ी सफाई और तेजी से करती है। वहीं वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के हालात भी रास नहीं आ रहे।

टेक्नोलॉजी की एक खासियत होती है कि उसमें नई-नई खोजें और इनोवेशन होती रहती हैं। अगर ऐसा न हो तो वह मृतप्राय हो जायेगी। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के बारे में यह बात पूरी तरह लागू होती है और इसमें लगातार इनोवेशन होती रही हैं। इससे यह विधा और भी निखरती गई। लेकिन अब इसमें जो बदलाव और खोजें होती जा रही हैं वे डराने वाली हैं। इससे फायदे तो बहुत हैं लेकिन मानव श्रम को यह सिमटा देगी। यानी परंपरागत रोजगार के क्षेत्र में यह नकारात्मक रोल निभाएगी। दुनिया भर में लाखों लोग अपनी नौकरियों से हाथ धो बैठेंगे। यह सब आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआई के कारण होगा जिसे इस सदी की सबसे बड़ी खोज माना जा रहा है। यह मानव की इतनी ज्यादा सहायता करेगी कि इससे संबंधित क्षेत्र में मैनपॉवर की भारी कटौती हो जायेगी।

आईटी कंपनियां इस समय पसोपेश में हैं और वे वक्त की नजाकत भांपने का प्रयास कर रही हैं। भारत आईटी सोर्सिंग का दुनिया का सबसे बड़ा केन्द्र है और यहां की कंपनियां इसका फायदा उठा रही हैं तथा बड़े पैमाने पर रोजगार भी दे रही हैं। अब यहां एआई की धमक साफ दिख रही है। भारत की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस ने अपने कर्मचारियों या यूं कहें कि आईटी प्रोफेशनल्स की सैलरी बढ़ोतरी पर रोक लगा दी है। कंपनी अमेरिका तथा चीन में एआई के बढ़ते उपयोग की समीक्षा कर रही है। देख रही है कि वहां इसका कितना उपयोग होता है और हमें उससे कितना नफा-नुकसान होगा। सभी आईटी कंपनियां ही नहीं बल्कि बड़ी-बड़ी अन्य कंपनियां भी एआई के पूरी तरह से कार्यान्वित होने का इंतजार कर रही हैं जिसकी खूबी है कि वह कई-कई लोगों का काम कर लेती है। इसके आने के बाद क्या होगा, इस बारे अभी अंदाजा ही लगा सकते हैं। हमारी आईटी कंपनियां ज्यादातर बैक एंड के रूप में काम करती हैं और विदेशी कंपनियों के ऑर्डर पर निर्भर रहती हैं। उन्हें बहुत तरह के ऑर्डर मिलते हैं लेकिन ये सभी हाई एंड नहीं होते। इनमें से बहुत से काम ऐसे मिलते हैं जिनके लिए ज्यादा टैलेंट की जरूरत नहीं है। सामान्य से सॉफ्टवेयर इंजीनियर उसे करते हैं और उनकी तादाद बहुत ज्यादा होती है। भारतीय आईटी कंपनियों में ज्यादातर कर्मी इसी प्रकार के होते हैं जिनकी नौकरियों पर अब एआई के कारण खतरा मंडरा रहा है।

एक्सपर्ट्स मानते हैं कि एआई के कारण कई तरह के ज़ॉब्स खतरे में पड़ जायेंगे क्योंकि वह उन्हें बड़ी सफाई और बहुत तेजी से करने में समर्थ होती है। इंडियाटेक के एमडी रमेश कैलासम बताते हैं कि ये छोटे-छोटे जॉब्स चले ही जाएंगे क्योंकि एआई बहुत आसानी से यह सब कर देगा। आईटी कंपनियों में कई ऐसे ज़ॉब्स हैं जो निचले लेवल के कर्मचारी करते हैं। इन्हें एआई आसानी से कर लेगा। वह इसके लिए कोडिंग का उदाहरण देते हैं जिसे इन कंपनियों में सॉफ्टवेयर इंजीनियर करते हैं लेकिन एआई बड़ी आसानी से यह कर लेगा। वहीं, बहुत से टास्क ऐसे हैं जो कम समय व खर्च में एआई कर सकता है। ऐसे में विदेशी कंपनियों से इस तरह के जॉब्स के ऑर्डर बंद होने का खतरा मंडरा रहा है। वहीं उनका कहना है कि जब भारत में कंप्यूटरीकरण शुरू हुआ था तो ऐसे ही हालात थे और कहा जा रहा था कि बड़े पैमाने पर बेरोजगारी फैलेगी क्योंकि लोग निकाले जायेंगे। कुछ समय तक ऐसा लगा लेकिन बाद में कंप्यूटरीकरण की वज़ह से लाखों नये रोजगार सृजित हुए और देश ने तरक्की की। आने वाले समय में एआई भी ऐसे ही हालात पैदा करेगी।

हमारी कंपनियों और यहां तक कि सरकार को भी प्रयास करना होगा कि कैसे रोजगार बढ़े। एमएनसी निवेश बैंक और वित्तीय सेवा प्रदाता कंपनी मोरगैन स्टेनली का कहना है कि यह संक्रमण का दौर है। ऐसे दौर पहले भी आये थे और उनका मुकाबला किया गया। 2016-17 में भी ऐसा हुआ था और अभी उसी दौर से हम गुजर रहे हैं। आईटी सेक्टर पर इसका असर ज्यादा पड़ रहा है और उनके प्रॉफिट में या तो कमी आ रही है या फिर वे स्थिर हैं। यह उनके लिए चिंता का विषय है।

एक और महत्वपूर्ण तथ्य है कि इस समय वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता है। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका मंदी के दौर से गुजर रही है। नये राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप के अनुदारवादी कदमों से वहां की अर्थव्यवस्था पर भारी असर पड़ रहा है। इस सबसे न तो दुनिया और न ही भारत अछूता रह सकता है। इसका सबसे बड़ा असर हमारी आईटी इंडस्ट्री पर पड़ रहा है और आगे भी पड़ेगा क्योंकि हम सबसे बड़े आईटी सपोर्ट प्रदाता हैं। हमारी यह इंडस्ट्री विदेश, खासकर अमेरिका पर बहुत ज्यादा निर्भर है। इसके अलावा दुनियाभर में युद्ध के जो हालात हैं वे भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को मंदी की ओर धकेल रहे हैं। इन सभी का असर आईटी इंडस्ट्री पर पड़ रहा है। उनके शेयरों की स्थिति यही बयान कर रही है। इनमें पिछले कुछ वर्षों से कोई तेजी नहीं आ रही है और वे नीचे की ओर ही जाते दिख रहे हैं। उन्हें अपने लाभ के बारे में किसी भी तरह का अनुमान लगाने में जोखिम दिख रहा है। यानी राजस्व के मामले में एक तरह की अनिश्चितता है। यह एक बड़ा कारण है कि कई आईटी कंपनियां अपने कर्मचारियों के वेतन वृद्धि के बारे में बात नहीं कर रही हैं और आने वाले समय में छंटनी ही कर सकती हैं। एआई और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता उनके शेयरों पर असर डाल रही है। इसका खमियाजा शुरुआती दौर में कर्मचारी ही भुगतेंगे। लेकिन फिलहाल बहुत निराश होने जैसी स्थिति नहीं है। कंपनियां खुद बदलाव का आकलन कर रही हैं और कुछ बड़े कदम जरूर उठायेंगी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

संपादकीय

वक्त की आवाज़

ऐसे वक्त में जब पहलगाम हत्याकांड के बाद देश में गुस्से और आक्रोश का माहौल है, तब एक विवेक की आवाज का बुलंद होना सुखद ही है। पहलगाम के बैसरन मैदान में हुए आतंकी हमले में नौसेना अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की आतंकवादियों ने निर्मम हत्या कर दी थी। उनकी पत्नी हिमांशी नरवाल ने अपने जीवनभर सालने वाले दुख के बावजूद अपील की है कि इस आतंकी हमले के लिये जिम्मेदार अपराधियों के अलावा किसी को कोई सजा न मिले। विनय नरवाल के जन्मदिन पर आयोजित रक्तदान शिविर में उन्होंने कहा ' हम नहीं चाहते कि लोग अल्पसंख्यकों व कश्मीरियों को अपने आक्रोश का शिकार बनाएं।' बाकायदा, उन्होंने इस मौके पर देश में शांति बनाये रखने और सांप्रदायिक सद्भाव कायम रखने की जोरदार अपील की। जो उस सोच के विपरीत है जो पहलगाम के बैसरन में हुए भयावह आतंकी हमले के बाद देश में उभारी जा रही है। दरअसल, हिमांशी ने उन उग्र सोच के लोगों को स्पष्ट संदेश देने का प्रयास किया, जो इस राष्ट्रीय त्रासदी का लाभ उठाकर सांप्रदायिक प्रतिशोध की सोच को बढ़ावा दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि आगरा में एक परेशान करने वाला मामला प्रकाश में आया, जहां एक बिरयानी विक्रेता की हत्या के बाद सोशल मीडिया पर प्रचारित किया गया कि यह पहलगाम त्रासदी का प्रतिशोध है। निस्संदेह, ऐसी संकीर्ण मानसिकता का राजनीतिक और धार्मिक नेताओं द्वारा विरोध न किया जाना, अक्षम्य ही कहा जाएगा। निश्चित रूप से ऐसी अप्रिय व परेशान करने वाली घटनाएं हमारे धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को ही नुकसान पहुंचाती हैं। खासकर उस ताने-बाने को, जो पहले से ही कमजोर पड़ रहा है। निर्विवाद रूप से कश्मीर के पहलगाम में हुई सांप्रदायिक हत्याओं के जरिये आतंकवादियों का मुख्य मकसद देश में हिंदू-मुस्लिमों के बीच तनाव पैदा करके देश की एकता को कमजोर करना था। ऐसे में यदि हम भी उसी सोच के साथ प्रतिक्रिया देने लगे तो कहीं न कहीं हम परोक्ष रूप से आतंकवादियों के मंसूबों को ही पूरा कर रहे होंगे। यह निर्विवाद तथ्य है कि हमें इसी समाज में रहना है और बेहतर होगा कि हम तमाम संकीर्णताओं को त्यागकर और मिलजुलकर ही रहें। यदि हम आतंकवादियों की सोच का प्रतिकार उनके एजेंडे के अनुरूप करेंगे तो निश्चिय ही गंगा-जमुनी संस्कृति को नुकसान पहुंचेगा। आतंकवादियों का मंसूबा जम्मू-कश्मीर ही नहीं पूरे देश में शांति को भंग करना था। ऐसी किसी भी संकीर्ण सोच को सामूहिक संकल्प से ही नाकाम किया जा सकता है। इसी तरह की सार्थक व प्रेरक प्रतिक्रिया गुरमेहर कौर की तरफ से आई, जिनके पिता वर्ष 1999 में जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ते हुए मारे गए थे। उन्होंने देशकाल-परिस्थितियों के अनुरूप प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आतंकवाद की असली हार तब ही होती है जब हम हिंसा की प्रतिक्रिया में खुद को विभाजित करने से मना कर देते हैं। निस्संदेह, राष्ट्र के सर्वोत्तम हित में, नागरिकों को उन लोगों को दृढ़ता से दूर करना चाहिए, जो आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों को उन तत्वों पर नकेल कसनी चाहिए, जो आतंकवादियों के जघन्य कृत्यों की कीमत निर्दोष लोगों से वसूलने पर तुले हुए हैं। निर्विवाद रूप से हमारी विवेकशील प्रतिक्रिया और एक अखंड भारत की सोच ही आतंकवाद पर करारी चोट कर सकती है। वक्त की मांग है कि हम सीमा पार से चलाए जा रहे विभाजनकारी अभियानों को एकजुटता से विफल कर दें। हमारी किसी भी प्रतिक्रिया से ऐसा संदेश नहीं जाना चाहिए कि हम भारत के विरोधियों के मंसूबों को ही सींच रहे हैं।

अंततः देश में जाति जनगणना: प्रतिनिधित्व या पुनरुत्थान?

(लेखिका- प्रियंका सौरभ)

भारत में दशकों से केवल अनुसूचित जातियों और जनजातियों की गिनती होती रही है, जबकि अन्य जातियाँ नीति निर्माण में अदृश्य रहीं। जाति जनगणना केवल गिनती नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की नींव है। बिना सटीक आंकड़ों के आरक्षण, योजनाएं और संसाधन वितरण अधूरे रहेंगे। विरोध करने वालों को डर है कि उनके विशेषाधिकार चुनौती में पड़ सकते हैं। लेकिन यह गिनती वंचितों की दृश्यता और भागीदारी सुनिश्चित करने का औज़ार है, न कि समाज को तोड़ने का। जब नीति जाति पर आधारित हो, तो डेटा भी होना चाहिए।

भारत को जातियों में बाँटा गया, लेकिन उसे जोड़ने की कोशिश कभी पूरी ईमानदारी से नहीं हुई। संविधान ने सबको समानता का अधिकार दिया, मगर समान अवसर की नींव जातिगत असमानता को पहचानने पर ही टिकती है। इसी बुनियाद पर जब आज जाति जनगणना की मांग ज़ोर पकड़ रही है, तो सवाल खड़ा होता है — क्या यह सामाजिक न्याय का औज़ार है या समाज को और अधिक खांचों में बाँटने की कवायद?

भारत में पिछली बार व्यापक जातिगत जनगणना 1931 में हुई थी। उसके बाद, आज़ादी के बाद के राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया में एक आदर्श सामने रखा गया — 'जातिविहीन समाज'। इस आदर्श का आकर्षण था, पर व्यवहार में यह एक तरह की चुप्पी थी। 1951 से लेकर 2011 तक हर जनगणना में केवल अनुसूचित जाति (स्ष्ट) और अनुसूचित जनजाति (स्ञ्) की गिनती होती रही, बाकी जातियाँ 'अदृश्य' रहीं। लेकिन अगर नीति आरक्षण आधारित हो, योजनाएं वर्गों के लिए हों, तो आंकड़े क्यों न हों? क्या यह संभव है कि बिना जानकारी के न्यायपूर्ण वितरण हो?

बिहार की जाति आधारित सर्वेक्षण ने एक नई लहर पैदा की। नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव की पहल ने अन्य राज्यों को भी सोचने पर मजबूर किया। एक ओर जातिगत गणना को सामाजिक न्याय की बुनियाद बताया गया, तो दूसरी ओर कुछ वर्गों ने इसे सामाजिक विभाजन का उपकरण कहा। कई राजनीतिक दल इस मांग को समर्थन दे रहे हैं, खासकर वे जिनकी राजनीति वंचित तबकों पर आधारित है। लेकिन केंद्र सरकार की भूमिका झिझकभरी रही है। केंद्र का कहना है कि यह बेहद जटिल प्रक्रिया है और इससे सामाजिक तनाव पैदा हो सकते हैं।

जाति जनगणना के समर्थन में कई मजबूत तर्क दिए जा रहे हैं। अगर हम यह नहीं जानते कि कौन-सी जातियाँ किस आर्थिक व सामाजिक स्थिति में हैं, तो योजनाएं महज अंदाज़ों पर चलती रहेंगी। आरक्षण का पुनर्मूल्यांकन करना हो या सामाजिक योजनाओं का लक्ष्य तय करना हो, सटीक आंकड़ों की आवश्यकता है। अन्य पिछड़ा वर्ग **(OBC)** की जनसंख्या कई राज्यों में 40-50ब तक मानी जाती है, जबकि उन्हें 27ब आरक्षण मिलता है। यदि सही आंकड़े हों तो नीति ज्यादा न्यायसंगत हो सकती है।

विरोध करने वालों की मुख्य दलील यह है कि जाति जनगणना समाज में जातीय पहचान को और मजबूत करेगी। इससे सामाजिक एकता को खतरा होगा और राजनीतिक दल केवल जाति कार्ड खेलकर वोट बटोरने लगेंगे। कुछ वर्गों को डर है कि अगर सही आंकड़े सामने आ गए, तो उनका 'निहित अधिकार' छिन सकता है — जैसे सवर्ण वर्गों को लगता है कि ओबीसी या दलितों की संख्या के अनुपात में अगर आरक्षण बढ़ा, तो उनके लिए मौके और कम हो जाएंगे।

जब बिहार ने अपना जातिगत सर्वेक्षण कराया, तो केंद्र सरकार ने उससे दूरी बनाए रखी। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक जैसे राज्यों में भी मांग उठी, लेकिन सर्वसम्मति नहीं बन सकी। कई बार यह तर्क दिया गया कि यह विषय केंद्र के अधिकार क्षेत्र में आता है और इसे राष्ट्रीय स्तर पर ही किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने 2021 में जाति आधारित जनगणना पर सीधे रोक नहीं लगाई, लेकिन कहा कि यह नीति का विषय है और सरकारें अपने विवेक से निर्णय लें।

वंचित समुदायों के लिए जाति जनगणना केवल गिनती नहीं है, यह उनकी दृश्यता का सवाल है। अगर समाज में कोई वर्ग आर्थिक, शैक्षणिक और राजनीतिक रूप से पिछड़ा है, तो सबसे पहले यह जानना ज़रूरी है कि वह है कहां? कितना है? डॉ. भीमराव अंबेडकर ने कहा था — यदि आपको सुधार करना है, तो पहले तथ्यों को जानिए। जातिगत आंकड़े भी ऐसे ही तथ्य हैं। यह आंकड़े केवल आरक्षण तय करने के लिए नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, स्वरोजगार जैसी नीतियों के लिए जरूरी हैं।

आश्चर्य की बात है कि जाति जनगणना जैसे गहन विषय पर मुख्यधारा मीडिया में गंभीर बहस कम होती है। जो बौद्धिक वर्ग खुद को प्रगतिशील मानता है, वह या तो इसे 'रिग्रेसिव' बताकर खारिज कर देता है या चुप रहता है। दरअसल, समस्या यह नहीं कि जाति की गिनती हो रही है। समस्या यह है कि जिन्हें अपने 'विशेषाधिकार' की चिंता है, वे इस गिनती से असहज हैं।

अब सबसे बड़ा सवाल — मान लीजिए कि जाति जनगणना होती है और सभी जातियों के आंकड़े सामने आते हैं। तब क्या होगा? क्या सरकारें इन आंकड़ों के आधार पर आरक्षण नीति में बदलाव करेंगी? क्या यह संभव होगा कि किसी जाति की संख्या ज़्यादा निकलने पर उन्हें ज़्यादा हिस्सेदारी दी जाए? या फिर आंकड़ों को दबा दिया जाएगा, जैसा 2011 की सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (स्श्वष्टष्ट) के साथ हुआ? 2011 में हुई स्श्वष्टष्ट के आंकड़े आज भी सार्वजनिक रूप से अधूरे हैं। सरकारें आती गईं, लेकिन किसी ने इसे पूरी पारदर्शिता से नहीं जारी किया।

जाति एक सामाजिक सच्चाई है, जिसे नज़रअंदाज़ करना संभव नहीं। जो सत्ताएं जातिविहीन समाज की बात करती हैं, वे चुनावी टिकट देने, मंत्रिमंडल गठन, और अफसरों की नियुक्ति में जाति ही देखती हैं — तो फिर आंकड़ों से डर क्यों? जाति जनगणना न सामाजिक टूटन लाएगी, न समाज की बुनियाद को कमजोर करेगी — बशर्ते इसका उपयोग न्यायपूर्ण नीति निर्माण के लिए हो। डर उन्हें है जिनके पास पहले से ही ज़्यादा है। जो वंचित हैं, वे तो सिर्फ अपनी मौजूदगी की पुष्टि चाहते हैं।

आख़िर यह देश सभी जातियों का है — तो सभी की गिनती क्यों नहीं?

(चिंतन-मनन)

संत की उदारता

चिंतन मनन

संत बेनजोई के पास कई बालक शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे। वह अपने सभी शिष्यों की शिक्षा पूर्ण करने के बाद ही उन्हें वहां से जाने की अनुमति देते थे। वह उद्दंड व शरारती शिष्यों को भी आज्ञाकारी और संस्कारी बनाकर ही दम लेते थे। एक बार उनके आश्रम में बहुत ही शरारती और बदतमीज लड़का आया। एक दिन वह चोरी करते हुए पकड़ा गया। बेनजोई ने उसे चोरी की बुराइयों से अवगत कराया और क्षमा कर दिया, लेकिन वह लड़का इतना बिगड़ैल था कि उस पर बेनजोई की शिक्षा का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। उसने दोबारा चोरी की और एक शिष्य को बेवजह पीट दिया। यह शिकायत बेनजोई तक पहुंची तो उन्होंने उसे फिर बुलाकर प्रेम से समझाया और एक बार फिर क्षमा कर दिया। यह देखकर आश्रम के अन्य शिष्य आगबबूला हो गए। शाम की प्रार्थना के समय सभी शिष्य एकजुट होकर बोले, गुरुजी, यह बार-बार चोरी करता रहेगा, हमें पीटता रहेगा और आप उसे क्षमा करते रहेंगे। यह कैसा न्याय है? यदि आप इसे आश्रम से नहीं निकाल सकते तो हम सभी यह आश्रम छोड़कर चले जाते हैं।

इस पर बेनजोई विनम्रता से बोले, मैंने माना कि तुम सब अच्छे हो, संस्कारी हो। कभी किसी कुसंग में न रहने के कारण दुष्कर्मों से दूर हो। यह अबोध किशोर अपने दुर्व्यसनी पिता और भाइयों द्वारा ठुकराया हुआ है। इसे मैं सुधारने, संस्कारित करने के उद्देश्य से यहां लेकर आया हूं। मुझे यह भी मालूम है कि तुम यदि इस आश्रम से चले गए तो अन्य किसी शिक्षक से शिक्षा प्राप्त कर सकते हो, किंतु इस बिगड़ैल लड़के को कौन अपने यहां रखेगा? इसे सुधरने का मौका कैसे मिलेगा? वह किशोर भी यह सब सुन रहा था। उसकी आंखें भर आईं। वह उनसे क्षमा मांगते हुए बोला, गुरुजी, मुझे माफ कर दीजिए। फिर कभी आपको शिकायत का मौका नहीं मिलेगा। उसने अन्य शिष्यों से भी माफी मांगी।

विचार मंथन

लक्ष्मी के आगे पराजित होती सरस्वती

(लेखक- सनत जैन)

अनादि काल से आज तक मां लक्ष्मी को धन की देवी और माँ सरस्वती को ज्ञान की देवी के रूप में पूजा की जाती है। भारत में कहावत है, जहां लक्ष्मी रहती है, वहां सरस्वती का वास नहीं होता है। जहां सरस्वती रहती है, वहां पर लक्ष्मी का वास नहीं होता है। सारी दुनिया के देशों में यह देखने को मिल रहा है। अब ज्ञान के स्थान पर पूंजी को महत्व दिया जा रहा है। विश्व के सभी देशों में इस समय धन की पूजा हो रही है। सत्ता में बैठे हुए लोग धन के पीछे भाग रहे हैं। जिसके कारण सरस्वती जी को जगह-जगह अपमानित होना पड़ रहा है। अमेरिका और भारत जैसे देशों में भी अब पूंजीवाद का प्रभाव सरकार और जनसामान्य के देखने को मिल रहा है। सत्ता में बैठे हुए लोग ऐसी किसी चुनौती को बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं, जो उनके सत्ता के सफर में कठिनाई पैदा करें। जिसके फलस्वरूप विभिन्न देशों में शिक्षण संस्थानों को जो सहायता सरकारों द्वारा दी जा रही थी। उसे कम या बंद किया जा रहा है। शिक्षण संस्थानों से जो पढ़कर निकलते है। वह सरकार से जवाब-सवाल करने लगते है। जो सत्ता में बैठे लोगों को स्वीकार नहीं है। अमेरिका ने हाल ही में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को जो टैक्स की छूट सरकार से मिलती थी, वह खत्म कर दी है। इसके पहले अमेरिकी सरकार द्वारा शोध के लिए जो सहायता यूनिवर्सिटी को दी जाती थी। वह पहले ही बंद कर दी गई थी यूनिवर्सिटी में जिस तरह से ज्ञानवान लोग आगे निकलते हैं। वह सरकार के लिए आगे चलकर कड़ी चुनौती बनते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने 02 मई 2025 को ऐलान कर दिया है, उनका प्रशासन हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की टैक्स छूट का दर्जा समाप्त करने जा रहा है। सरकार के इस कदम से विश्वविद्यालय के ऊपर कई गुना आर्थिक भार बड़ेगा। जिसके कारण बच्चों की पढ़ाई काफी मुश्किल और महंगी होगी। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में दुनिया भर के देशों से बच्चे पढ़ने के लिए पहुंचते है।

यूनिवर्सिटी विश्व भर में शिक्षा के क्षेत्र में सबसे अग्रणी है। डोनाल्ड ट्रंप ने इस यूनिवर्सिटी के खिलाफ इस तरह का कदम उठाया है। इससे स्पष्ट है, कि पूंजीवादी सिद्धांत में, ज्ञान का कोई स्थान नहीं है। पूंजी से पूंजी बढ़ती है। ऐसा पूंजीपति मानते हैं। कुछ इसी तरह की स्थिति भारत में भी पिछले कई वर्षों से देखने को मिल रही है। पिछले कुछ वर्षों में विश्वविद्यालय एवं शैक्षणिक संस्थानों के शोध के लिए जो राशि दी जाती थी। उसे सरकारा द्वारा बंद या राशि कम कर दी गई है। यूनिवर्सिटी और शिक्षण संस्थानों की सहायता राशि में लगातार कटौती हो रही है। पढ़ने वाले छात्रों की फीस बढ़ा दी गई है। भारत के शिक्षण संस्थानों में एक विचारधारा विशेष के ही लोगों को, शिक्षण संस्थानों में विशेष संरक्षण दिया जा रहा है। भारत के शिक्षण संस्थान पिछले वर्षों में आर्थिक रूप से लगातार कमजोर किए गए हैं।

उन्हीं शिक्षण संस्थानों को आगे बढ़ाया जा रहा है, जो सरकार की विचारधारा के अनुसार काम कर रहे हैं। भारत में शिक्षा

प्राइवेट सेक्टर में बढ़ रही है। प्राइवेट सेक्टर की फीस में युवाओं को शिक्षित किया जा रहा था। अब उसकी फीस भी कई गुना बढ़ा दी गई है। यही कहा जा सकता है। कभी भी लक्ष्मी और सरस्वती एक साथ नहीं रहती हैं।

सरकारों में जो नेता दुनिया के देशों में बैठे हुए हैं। पूंजीवादी व्यवस्था में ज्ञान का कोई स्थान नहीं है। शिक्षण संस्थानों को कमजोर किया जा रहा है। यह वास्तविक रूप से दिख रहा है। यह कब तक चलेगा, लक्ष्मी और सरस्वती के बीच में समन्वय बनेगा या नहीं, इसको लेकर आमजनों में चिंता बढ़ने लगी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत ने पाकिस्तान से आयात-निर्यात पूरी तरह से बंद किया

नई दिल्ली।

वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, भारत ने पाकिस्तान से सभी वस्तुओं के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। इस कदम से भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापारिक संबंध पूरी तरह से बंद हो गए हैं। गौरतलब है कि भारत सरकार की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि इस प्रतिबंध को विदेश व्यापार नीति 2023 में एक नए प्रावधान के रूप में जोड़ा गया है। इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान में उत्पन्न या वहां से निर्यात किए जाने वाले सभी सामानों का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात अगले आदेश तक प्रतिबंधित रहेगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक नीति के हित में लेने की बात कही है। इस प्रतिबंध का मतलब यह है कि अब पाकिस्तान से किसी भी वस्तु का आयात भारत में नहीं हो सकेगा, और अगर कोई अपवाद होता है तो भारत सरकार की मंजूरी के बिना कोई भी आयात नहीं किया जा सकेगा।

जीएसटी कलेक्शन में छत्तीसगढ़ ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की

रायपुर।

अप्रैल 2025 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रहण में छत्तीसगढ़ ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। छत्तीसगढ़ ने 4,135 करोड़ का जीएसटी संग्रहण कर देश के शीर्ष 15 राज्यों की सूची में अपनी जगह बनाई है। जीएसटी संग्रहण के मामले में छत्तीसगढ़ ने केरल, पंजाब, बिहार और खनिज संसाधनों से भरपूर झारखंड जैसे राज्यों को भी पीछे छोड़ दिया है। राज्य में इस आर्थिक प्रगति को लेकर विशेषज्ञों का मानना है कि यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा व्यापार और उद्योग क्षेत्र में किए गए सशक्त सुधारों का प्रतिफल है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बीते 15 महीनों में राज्य सरकार ने ऐसे कई निर्णय लिए हैं, जिनसे निवेश और व्यापार को बढ़ावा मिला है। गैर-जरूरी और बाधक कानूनों की समाप्ति,सभी जरूरी सेवाओं की ऑनलाइन उपलब्धता,पेट्रोल पंप खोलने के लिए लाइसेंस की बाध्यता को समाप्त करना और उद्योगों की स्थापना के लिए प्रक्रिया को सरल बनाना शामिल है। इन सभी पहल से राज्य में उद्योग और व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिला है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है और राजस्व संग्रह में निरंतर वृद्धि हो रही है।

आरबीआई ने चार बैंकों पर लगाया जुर्माना

नियामक अनुपालन में कमियों के लिए लगाया गया जुर्माना

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि उसने नियामक अनुपालन में कमियों के लिए आईसीआईसीआई बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा सहित चार बैंकों पर जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने बैंकों में साइबर सुरक्षा ढांचे, अपने ग्राहक को जानो (केवाईसी) और क्रेडिट कार्ड तथा डेबिट कार्ड जारी करने से संबंधित कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए आईसीआईसीआई बैंक पर 97.80 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। एक अन्य बयान में, आरबीआई ने कहा कि उसने बैंकों की वित्तीय सेवाओं और बैंकों में ग्राहक सेवा पर कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा पर 61.40 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा केंद्रीय बैंक ने कुछ अनुपालन खामियों के चलते आईडीबीआई बैंक लिमिटेड पर 31.8 लाख रुपए और बैंक ऑफ महाराष्ट्र पर 31.80 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। आरबीआई ने कहा कि सभी मामलों में जुर्माना नियामक अनुपालन में कमियों के चलते लगाया गया है और इसका बैंकों के अपने ग्राहकों के साथ किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता से कोई संबंध नहीं है।

अगले हफ्ते सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे 5 नए फंड

निवेशक सिर्फ 100 रुपए से कर सकते हैं निवेश शुरू

नई दिल्ली।

सोमवार 5 मई से शुरू होने वाले सप्ताह में कुल 5 नए एनएफओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाले हैं। इन एनएफओ में एंजल वन म्युचुअल फंड के दो नई स्कीमें एंजल वन निफ्टी 50 ईटीएफ और एंजल वन निफ्टी 50 इंडेक्स फंड शामिल है। इसके अलावा, टाटा इनकम प्लस आर्बिट्रेज एक्टिव फंड ऑफ फंड आईसीआईसीआई प्रू क्वालिटी फंड और केनरा रोबेको मल्टी एसेट एलोकेशन फंड शामिल हैं। एंजल वन निफ्टी 50 इंडेक्स फंड 5 मई 2025 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 16 मई 2025 को बंद होगा। इस फंड में निवेशक मिनिमम 1,000 से निवेश शुरू कर सकते हैं। इस स्कीम में कोई लॉक इन पीरियड नहीं है और न ही कोई एग्जिट लोड है। केवल शाह और मेहुल दामा इस स्कीम के फंड मैनेजर हैं। रिस्कोमीटर पर इस स्कीम को हाई रिस्क की कैटिगरी में रखा गया है। अगले सप्ताह में एंजल वन म्युचुअल फंड की एक और न्यू स्कीम एंजल वन निफ्टी 50 ईटीएफ भी बाजार में कदम रखेगी। यह फंड सब्सक्रिप्शन के लिए 5 मई 2025 को खुलेगा। निवेशक 16 मई 2025 तक इस एनएफओ में निवेश कर सकते हैं। इस फंड में भी निवेशक मिनिमम 1,000 से निवेश की शुरुआत कर सकते हैं। इस स्कीम में भी कोई लॉक इन पीरियड नहीं है और न ही कोई एग्जिट लोड है। इस स्कीम का बेंचमार्क और फंड मैनेजर भी पहली स्कीम के समान ही

है। टाटा इनकम प्लस आर्बिट्रेज एक्टिव फंड ऑफ फंड एक ओपन एंडेड डेट फंड है। यह एनएफओ 5 मई 2025 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 19 मई 2025 को बंद होगा। इस फंड में निवेशक मिनिमम 5,000 से निवेश शुरू कर सकते हैं। इस स्कीम में कोई लॉक इन पीरियड नहीं है।

इनसाइडर ट्रेडिंग मामले में ओला इलेक्ट्रिक की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

जांच शुरू, ओला इलेक्ट्रिक से संबंधित पार्टी लेनदेन भी सेबी के रडार पर

नई दिल्ली।

ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड की इनसाइडर ट्रेडिंग के मामले में मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है कि बाजार नियामक सेबी अक्टूबर और दिसंबर 2024 के बीच इनसाइडर ट्रेडिंग के दो मामलों में भाविश अग्रवाल की अगुआई वाली ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड की जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट में उल्लिखित है कि ओला इलेक्ट्रिक द्वारा संबंधित पार्टी लेनदेन भी सेबी के रडार पर है। इस खबर के बाद ओला इलेक्ट्रिक के शेयर बिकवाली मोड में नजर आए। पिछले सप्ताह करीब 48 रुपये के स्तर पर शेयर एक फीसदी टूटकर गिरे। इसके अलावा ओला इलेक्ट्रिक को अपने कुछ स्टोरों के लिए व्यापार प्रमाणपत्रों के संबंध में चार राज्यों में नोटिस भी मिले और कंपनी ने बताया है कि उसे इसका जवाब देने की प्रक्रिया में है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार महाराष्ट्र के अधिकारियों ने ओला को एक नोटिस भी भेजा है, जिसमें महाराष्ट्र में 100 से अधिक शोरूम को तत्काल बंद करने का आदेश दिया गया था। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में ओला इलेक्ट्रिक ने बताया है कि उसने फरवरी में 25,000 इकाइयां बेचीं और इसकी बाजार हिस्सेदारी 28 प्रतिशत रही। इसके बावजूद, भारी उद्योग मंत्रालय और भारत के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से ओला इलेक्ट्रिक को ईमेल प्राप्त हुए हैं, जिसमें बिक्री आंकड़ों के बड़े अंतर के कारण पूछे गए हैं। इस समय, ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड को अच्छे संपर्कों और संस्थागत शुद्धता की जरूरत है ताकि विश्वासित होकर निवेश किया जा सके और कंपनी की मुद्राओं पर स्थिरता बनी रहे।

सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से ज्यादा बढ़त रही

सेंसेक्स 259 अंक मजबूत होकर 80,501 पर बंद

निफ्टी 12.50 अंक की बढ़त के साथ 24,346 पर बंद

मुंबई।

एफआईआई की लगातार खरीदारी, टैरिफ वार पर तनाव कम होना, रिकॉर्ड जीएसटी कलेक्शन और वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक माहौल ने घरेलू शेयर बाजार को सप्ताहिक आधार पर एक फीसदी से ज्यादा बढ़त दिलाने में मदद की। हालांकि बीते सप्ताह गुरुवार 1 मई को महाराष्ट्र दिवस और मजदूर दिवस के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहने की वजह से सप्ताह में एक दिन कम कारोबार हुआ। 2 मई को खत्म हुए हफ्ते में बीएसई सेंसेक्स 1.62 फीसदी और निफ्टी 1.2 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं सप्ताह भर के शेयर बाजार के कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो एशियाई बाजारों से पॉजिटिव संकेत की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार के बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी 50 तेजी के साथ खुले। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 100 से ज्यादा अंक चढ़कर 79,343.63 पर खुला और 1005 अंक चढ़कर 80,218 पर बंद हुआ है। निफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 24,152.20 अंक पर खुला और 289 बढ़कर 24,328 पर बंद हुआ। मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में बढ़त के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में पीएसयू बैंक, ऑटो और आईटी सेक्टर में खरीदारी दर्ज की गई। सुबह खुलते ही सेंसेक्स 409.4 अंक बढ़कर 80,627.85 पर खुला और 70 अंक उछलकर 80288 पर बंद हुआ।

निफ्टी 118.10 अंक चढ़कर 24,446.60 पर खुला और 7 अंक चढ़कर 24335 पर बंद हुआ। बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 232.51 अंक गिरकर 80,055.87 अंक पर खुला और 46.14 अंक गिरकर 80,242.24 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 67.15 अंक गिरकर 24,268.80 अंक पर खुला और मामूली गिरावट के साथ 24,334.20 पर बंद हुआ। शुक्रवार के कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत हरे निशान के साथ खुले। सेंसेक्स 727.82 अंक की बढ़त के साथ 80,970 पर खुला और 259.75 अंक मजबूत होकर 80,501.99 पर बंद हुआ। निफ्टी 199 अंक की तेजी के साथ 24,528 पर खुला और निफ्टी 12.50 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,346.70 अंक पर बंद हुआ।

एप्पल ने तिमाही नतीजे में भारत सहित दुनिया के कई देशों में रिकॉर्ड ग्रोथ दर्ज की

मुंबई।

एप्पल ने जनवरी-मार्च तिमाही में भारत सहित दुनिया के कई देशों में रिकॉर्ड ग्रोथ दर्ज की है। साथ ही कंपनी दुनियाभर में नए रिटेल स्टोर शुरु करने की योजना बना रही है। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने कहा, तिमाही के दौरान एप्पल ने दो नए रिटेल स्टोर शुरु करेगा। हम यूएई में एक नया रिटेल स्टोर, सउदी अरब में ऑनलाइन स्टोर और वर्ष के अंत में भारत में नए रिटेल स्टोर शुरू करने वाले है। सॉफ्टवेयर में एप्पल ने अभी आईओएस 18.4 जारी किया है, इसमें एप्पल इंटेलिजेंस को फ्रेंच, जर्मन, इतालवी, पुर्तगाली, स्पेनिश, जापानी, कोरियाई और चीनी सहित अधिक भाषाओं में पेश किया है। मार्च तिमाही में एप्पल की आय 95.4 अरब डॉलर रही है। इसमें सालाना आधार पर 5 प्रतिशत से अधिक का उछाल आया है। प्रति शेयर आय 1.65 डॉलर रही है। इसमें सालाना आधार पर 8 प्रतिशत का उछाल देखा गया है। कुक ने कहा, एप्पल ने मजबूत तिमाही नतीजे जारी किए हैं, इससे सर्विसेज में दोहरे अंकों की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, हमें अपने प्रोडक्ट लाइनअप में आईफोन 16ई को जोड़ा है और एप्पल सिलिकॉन की असाधारण

क्षमताओं का लाभ उठाने वाले शक्तिशाली नए मैक और आईपैड पेश किए हैं और हमें यह घोषणा कर गर्व हो रहा है कि कंपनी ने बीते एक दशक में अपने कार्बन उत्सर्जन में 60 प्रतिशत की कटौती की है। एप्पल के मुख्य वित्तीय अधिकारी केवन पारेख ने कहा कि मार्च तिमाही में ईपीएस में 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई और ऑपरेशनल कैश फ्लो 24 अरब डॉलर रहा, जिससे कंपनी शेयरधारकों को 29 अरब डॉलर लौटा सकी है।

स्मॉल सेविंग्स स्कीम में निवेशकों को मिल रहा बढ़ा हुआ ब्याज

अभी भी कई बैंकों में स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स में 8.2 फीसदी तक की ब्याज दरें उपलब्ध

नई दिल्ली।

हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की एमपीसी ने लगातार दूसरी बार रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट्स की कटौती की है। इस कटौती के बाद रेपो रेट अब 6 फीसदी रह गया है। आरबीआई के फैसले के बाद कई बैंकों ने ब्याज दरों में कटौती की है। ऐसे में निवेशकों को स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स में मिल रहे ब्याज के बारे में जानना जरूरी है। अभी भी कई बैंकों में स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स में 8.2 फीसदी तक की ब्याज दरें उपलब्ध हैं। वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक्सट्रा 0.50 फीसदी ब्याज दर भी उपलब्ध है। सुकन्या समृद्धि अकाउंट स्कीम और सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम में निवेशकों को 8.2 फीसदी ब्याज मिल रहा है। इन स्कीम्स में निवेश करके निवेशक अच्छे रिटर्न के साथ अपनी निवेश को सुरक्षित बना सकते हैं। इस ब्याज कटौती के बीच, स्मॉल सेविंग्स स्कीम एक अच्छा विकल्प हो सकता है जिसमें निवेश कर रिटर्न को बढ़ा सकते हैं। इसलिए, इन्वेस्टर्स को विभिन्न स्कीम्स की शर्तें और ब्याज दरें ध्यान से समझनी चाहिए जिससे उन्हें हो अच्छा रिटर्न।

विंडसर ईवी बनी सबसे ज्यादा बिकने वाली इलेक्ट्रिक कार

नई दिल्ली।

भारत में इलेक्ट्रिक कारों के बढ़ते बाजार में इस बार बाज़ी मारी है जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की नई पेशकश विंडसर ईवी ने। कंपनी ने घोषणा की है कि विंडसर ईवी ने लगातार सात महीनों से भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाली इलेक्ट्रिक कार का दर्जा प्राप्त किया है। इस इलेक्ट्रिक एमपीवी को सितंबर 2024 में लॉन्च किया गया था और इसके बाद से इसकी बिक्री अक्टूबर 2024 में शुरू हुई। तब से अब तक कंपनी ने इस कार की 20,000 से अधिक यूनिट्स बेच दी हैं, जो इसके बाजार में बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। कंपनी का कहना है कि विंडसर ईवी ने अपने लॉन्च के बाद से ही एक मजबूत स्थान बना लिया है और इसकी सफलता का कारण इसका नवाचार, आकर्षक डिजाइन, परफॉर्मेंस और किफायती मूल्य है।

अप्रैल 2025 में कंपनी ने 5,829 यूनिट्स की बिक्री की, जो पिछले साल अप्रैल की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक है। विंडसर ईवी तीन वेरिएंट्स एक्साइट, एक्सक्लूसिव और इसेंस में उपलब्ध है, जिनकी एक्स-शोरूम कीमत रुपए 13.99 लाख से रुपए 15.99 लाख तक है। इसके अलावा, जेएसडब्ल्यू एमजी ने बैटरी-एस-ए-सर्विस (बास)

मॉडल के तहत इस कार को उपलब्ध कराया है, जिससे ग्राहक बैटरी को किराए पर ले सकते हैं। विंडसर ईवी में 38केडब्ल्यूएस की लिथियम आयरन फॉस्फेट (एलएफपी) बैटरी है, जो 332 किलोमीटर की रेंज देती है। बता दें कि इलेक्ट्रिक कारों के बढ़ते बाजार में जब प्रमुख कंपनियों की बात होती है, तो टाटा मोटर्स और महिंद्रा जैसे नाम सामने आते हैं, अब जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया का नाम भी शामिल हो गया है।

दुनिया में सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले सीईओ हैं जिम एंडरसन

टिम कुक, मस्क और सत्य नडेला को भी जिम ने सैलरी मामले में पछाड़ दिया

नई दिल्ली।

दुनिया में सबसे ज्यादा सैलरी जिम एंडरसन को मिलती है। ऐपल सीईओ टिम कुक, टेस्ला के एलन मस्क और माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नडेला को भी सैलरी मामले में जिम एंडरसन ने पछाड़ दिया है। वे अमेरिका की ऑप्टिकल मैटेरियल और सेमीकंडक्टर बनाने वाली कंपनी कोहेरेंट कॉर्प की कमान संभालते हैं। साल 2024 में उन्हें 10115 मिलियन डॉलर (लगभग 845 करोड़) रुपये वेतन के रूप में मिले। ईक्वीलर 100 सूची उन कंपनियों के सीईटो की सैलरी को दर्शाती है जिनकी वार्षिक आय 1 अरब डॉलर या उससे अधिक है। एंडरसन का वेतन लगभग पूरी तरह शेयर अवॉर्ड्स पर आधारित था। यह राशि 2024 में अमेरिकी कंपनियों के औसत वेतन 2516 मिलियन से चार गुना से भी ज्यादा है। जिम एंडरसन कोहेरेंट कॉर्प में आने से पहले लैटिस सेमीकंडक्टर के सीईओ थे। साल 2024 के मध्य में उन्होंने लैटिस से इस्तीफा दिया था। उनके इस्तीफे की खबर से लैटिस के शेयर 16 फीसदी गिर गए, जबकि कोहेरेंट के शेयरों में 23 फीसदी का जबरदस्त उछाल आया। सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले सीईओ की सूची में दूसरे स्थान पर स्टारबक्स के ब्रायन निकोल रहे। उन्हें सितंबर 2024 में सीईओ बनने के बाद 95.8 मिलियन डॉलर का पैकेज मिला, जिसमें 90 फीसदी से अधिक हिस्सा लॉन्ग-टर्म इक्विटी अवॉर्ड्स का था।

अब पराग ने भी बढ़ाए दूध के भाव

पराग का फुलक्रीम एक लीटर दूध अब 68 की बजाय 69 रुपये में मिलेगा

नई दिल्ली।

अमूल और मदर डेयरी के बाद अब पराग ने भी दूध की आधा लीटर और एक लीटर पैकिंग का दाम एक-एक रुपये बढ़ा दिया है। पराग का फुलक्रीम एक लीटर दूध अब 68 की बजाय 69 रुपये में मिलेगा। आधा लीटर पैक भी अब 34 रुपये से बढ़कर 35 रुपये कर दिया गया है। टोंड मिल्क का एक लीटर पैक 56 रुपये की बजाय 57 रुपये और आधा लीटर पैक 28 की बजाय 29 रुपये में मिलेगा। पराग ने आधा लीटर के स्टैंडर्ड दूध के पैकेट का रेट भी बढ़ा दिया है। अब आधा लीटर पैकेट 31 रुपये के स्थान पर 32 रुपये में मिलेगा। पांच लीटर दूध के पैकेट का दाम 280 रुपये से बढ़ाकर 290 रुपये कर दिया गया है। पराग का कहना है कि किसानों को उचित मूल्य मिल सके, इसके लिए दूध का रेट बढाया गया है। पराग डेयरी हर दिन करीब 33 हजार लीटर से ज्यादा दूध की सप्लाई देश में करती है। अमूल ने एक मई को भाव में वृद्धि की थी। कंपनी ने 500 एमएल वाले पैकेट्स की कीमत में 1 रुपये का इजाफा कर दिया है। वहीं 1 लीटर वाला दूध का पैकेट 2 रुपये महंगा हो गया है। अब स्टैंडर्ड दूध 30 से बढ़कर 31 रुपए का हो गया है, जबकि बफेलो दूध की कीमत 6 से बढ़कर 37 रुपए हो गई है। गोल्ड दूध के 500 एमएल पैक की कीमत 33 से 34 रुपए और 1 लीटर पैक की कीमत 65 से बढ़कर 67 रुपए हो गई है। स्लिम एंड ट्रिम दूध अब 24 की जगह 25 रुपए में मिल रहा है। मदर डेयरी ने दूध की कीमत में 2 रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया है। यह बढ़ोतरी बुधवार से लागू हो गई है। टोन्ड मिल्क (पाउच) की कीमत 56 रुपये से बढ़कर 57 रुपये प्रति लीटर हो गया। फुल क्रीम दूध (पाउच) 68 रुपये से 69 रुपये प्रति लीटर हो गया। डबल टोन्ड दूध की कीमत 49 रुपये से 51 रुपये प्रति लीटर और गाय का दूध 57 रुपये से 59 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। बिना पैक वाला टोन्ड दूध 54 रुपये से 56 रुपये प्रति लीटर हो गया।

नए टैक्स रिजीम में सरकार ने दी बड़ी राहत

नए टैक्स रिजीम में ज्यादातर छूट हटा दी गई हैं, लेकिन कुछ अहम रियायतें अब भी बरकरार हैं

नई दिल्ली।

अभी तक सैलरी लेने वाले लोगों के लिए यह फैसला करना आसान नहीं था कि किस रिजीम में जाना बेहतर होगा। मगर इस साल के आम बजट में मोदी सरकार ने जो व्यवस्था दी है, वह ज्यादातर सैलरी वाले लोगों के लिए फायदे का सौदा है। नए टैक्स रिजीम में सरकार ने बड़ी राहत दी है।

नए टैक्स रिजीम की सबसे बड़ी खासियत है कम टैक्स दरें। बजट 2025 में पेश किए गए नए नियमों के अनुसार, अगर आपकी सालाना आय 24 लाख रुपये से ज्यादा है तो अधिकतम 30 फीसदी टैक्स देना होगा। वहीं 20 लाख से 24 लाख रुपये के बीच सालाना आय वालों को अधिकतम 25 फीसदी टैक्स लगेगा। अगर आपकी आय सालान 16 लाख से 20 लाख रुपये के बीच है, तो अधिकत 20 फीसदी टैक्स देना पड़ेगा।

12 लाख से 16 लाख की आय वालों को अधिकत 15 फीसदी टैक्स चुकाना होगा। 8 लाख से 12 लाख के बीच 10 फीसदी, और 4 लाख से 8 लाख के बीच 5 फीसदी टैक्स लिया जाएगा। 4 लाख तक की आय पर कोई टैक्स नहीं है। पुराने टैक्स रिजीम की बात करें तो 10 लाख रुपये की आय पार करते ही 30 फीसदी की दर से टैक्स लग जाता था।

तो यदि दोनों में टैक्स स्लैब की तुलना करें तो नया रिजीम कहीं बेहतर नजर आता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2025 भाषण में कहा था, अगर किसी टैक्सपेयर की सालाना आय 12 लाख रुपये है, तो उसे नए सिस्टम में 80,000 रुपये का टैक्स फायदा मिलेगा। 18 लाख आय वालों को 70,000 का लाभ और 25 लाख कमाने वालों को 1,10,000 का फायदा मिलेगा। हालांकि, नए टैक्स रिजीम में ज्यादातर छूट हटा दी गई हैं, लेकिन कुछ अहम रियायतें अब भी बरकरार हैं। जैसे कि, नियोक्ता द्वारा आपके नेशनल पेंशन सिस्टम में किए गए योगदान पर धारा 80सीसीडी (2) के तहत अब 14 फीसदी तक की कटौती मिलती है, जो पहले 10 फीसदी थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल 2025 पॉइंट्स टेबल - एमआई पहले तथा जीटी दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली।

शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2025 के 51वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को 38 रनों से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ गुजरात टाइटंस आईपीएल 2025 पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। अब सिर्फ मुंबई इंडियंस ही गुजरात से ऊपर है, जिनके पास भी 14 अंक हैं, लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण वे गुजरात से एक पायदान ऊपर हैं। जीटी की इस जीत ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को बड़ा झटका दिया। दो दिन पहले तक आरसीबी टॉप पर थी, लेकिन मुंबई और गुजरात की जीत ने उन्हें नंबर-3 पर खिसका दिया। आरसीबी के भी 14 अंक हैं, लेकिन उनका नेट रन रेट कम होने के कारण वह तीसरे स्थान पर आ गई है। इस समय टॉप-4 में गुजरात, मुंबई और आरसीबी के अलावा पंजाब किंग्स है जो की चौथे नंबर पर हैं। वहीं दिल्ली कैपिटल्स 12 अंकों के साथ पांचवें और लखनऊ सुपर जायंट्स 10 अंकों के साथ छटवें स्थान पर हैं। बाकी टीमों की बात करें तो कोलकाता नाइट राइडर्स सातवें, राजस्थान रॉयल्स आठवे, सनराइजर्स हैदराबाद नौवे और चेन्नई सुपर किंग्स दसवें स्थान पर हैं।

लखनऊ बनाम पंजाबः पंत और अय्यर आमने सामने

कोलकाता।

आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के बीच होने वाला मुकाबला खासा दिलचस्प होने जा रहा है। इस मैच की खास बात दोनों टीमों के कप्तानों ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर के बीच एक अच्छा टकराव देखने को मिलने वाला है। एक ओर जहां अय्यर लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं पंत बुरी फॉर्म से जूझ रहे हैं। मुकाबला भारतीय समयानुसार रविवार शाम 7:30 बजे शुरू होगा। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने इस सीजन में अब तक चार अर्धशतक लगाए हैं और कप्तानी के साथ बल्लेबाजी में भी शानदार फॉर्म में हैं। उनकी टीम 10 मैचों में 13 अंकों के साथ अंकतालिका में चौथे स्थान पर बनी हुई है। दूसरी तरफ लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। उन्होंने 10 मैचों में केवल 110 रन बनाए हैं और छह पारियों में दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए हैं। हालांकि, चेन्नई के खिलाफ 63 रन की पारी ने थोड़ी राहत जरूर दी थी, लेकिन टीम फिलहाल 10 अंकों के साथ छठे स्थान पर है। अय्यर को कोलकाता नाइट राइडर्स ने पिछले सीजन की मेगा नीलामी से पहले रिलीज कर दिया था, जिसके बाद पंजाब किंग्स ने उन्हें रिकॉर्ड 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा। कप्तान बनने के बाद उन्होंने टीम को एकजुट किया है और अपेक्षाओं पर खरे उतरे हैं। हालांकि, टीम को ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल के चोटिल होकर बाहर हो जाने का झटका लगा है। उनकी जगह अजमतुल्लाह उमरजई, आरोन

हार्डी या जेवियर बार्टलेट को अंतिम एकादश में मौका मिल सकता है। पंजाब की बल्लेबाजी प्रभसिमरन सिंह, प्रियांश आर्य, नेहल वढेरा और शशांक सिंह के इर्द-गिर्द घूम रही है। वहीं गेंदबाजी में युजवेंद्र चहल की वापसी टीम के लिए फायदेमंद साबित हो रही है। उन्होंने चेन्नई के खिलाफ हैट्रिक लेकर फॉर्म में लौटने का संकेत दिया है। लखनऊ सुपर जायंट्स को एक हफ्ते के विश्राम के बाद मैदान में वापसी करनी है। हालांकि मयंक यादव की वापसी से उन्हें थोड़ी मजबूती मिली, लेकिन पिछला मैच मुंबई से 54 रन से हार गए थे। लखनऊ की बल्लेबाजी निकोलस पूरन, मिचेल मार्श और एडेन मारक्रम पर निर्भर करती है, जिनका प्रदर्शन इस मुकाबले में निर्णायक साबित हो सकता है।

तीन साल के बैन के बाद फिर विवादों में एस श्रीसंत

कोच्चि।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंत एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। केरल क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए) ने उन्हें तीन साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। इसका कारण संजू सैमसन को लेकर श्रीसंत द्वारा दिए गए बयान को बताया गया है।

दरअसल, श्रीसंत ने एक मलयालम टीवी चैनल पर संजू सैमसन के टीम इंडिया में चयन न होने के लिए केसीए को दोषी ठहराया था। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले वर्ष विजय हजारे ट्रॉफी में सैमसन को केरल टीम से बाहर कर देने के कारण उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी में जगह नहीं मिल पाई। केसीए ने श्रीसंत के इन बयानों को झूठा और अपमानजनक मानते हुए कार्रवाई की है। श्रीसंत पहले भी कई विवादों में रह चुके हैं। 2008 में आईपीएल के पहले सीज़न के दौरान हरभजन सिंह ने उन्हें थप्पड़ मार दिया था, जिसके बाद वे रोते हुए कैमरे में नजर आए थे। 2009 में अनुशासनहीनता के आरोपों में बीसीसीआई और केसीए से चेतावनी भी मिल चुकी है। सबसे बड़ा विवाद 2013 के आईपीएल स्पॉट-फिक्सिंग कांड का रहा, जिसमें उन्हें गिरफ्तार किया गया था। उन पर आजीवन बैन लगा था, जिसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने के बाद घटाकर सात साल कर दिया गया, जो 2020 में खत्म हुआ। क्रिकेट मैदान पर भी श्रीसंत का आक्रामक स्वभाव कई बार सुर्खियों में रहा। 2007 में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने केविन पीटरसन और माइकल वॉन को खतरनाक बीमर गेंदें फेंकी थीं, जिससे उन पर जुर्माना लगा था। इसी वर्ष उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को स्लेजिंग से परेशान किया था, जिससे रिकी पोंटिंग नाराज हुए थे। 2006 में दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज आंद्रे नील को छक्का जड़ने के बाद श्रीसंत का डांस भी चर्चा में रहा। 2017 में फ्लाइट अटेंडेंट्स से बहस और 2018 में 'बिग बॉस' शो में विवादों से उनकी छवि और गहरी हुई। करन वीर बोहरा सहित कई प्रतिभागियों से उनकी तीखी झड़पें हुईं। श्रीसंत की छवि हमेशा से एक जुनूनी और विवादप्रिय खिलाड़ी की रही है, और ताजा बैन इस छवि को और मजबूत करता है।

दक्षिण अफ्रीका को है नये क्रिकेट कोच की तलाश

जोहांसबर्ग।

दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड सीमित ओवरों की टीम के लिए नये कोच की तलाश कर रहा है। इसका कारण है कि टीम के कोच रॉब वाल्टर ने अपना पद छोड़ दिया है। वाल्टर ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह अप्रैल के अंत तक ही टीम के साथ रहेंगे। वाल्टर ने कहा था कि वह निजी कारणों से कोच पद छोड़ रहे हैं। वाल्टर को साल 2023 में कोच बनाया गया था। उनके मार्गदर्शन में ही टीम पहली बार आईसीसी टी20 20 विश्वकप के फाइनल में पहुंची थी। टीम को हालांकि फाइनल में भारतीय टीम से हार का सामना करना पड़ा था और वह उपविजेता रही थी। इसके अलावा भारत में हुए एकदिवसीय विश्वकप में भी टीम सेमीफाइनल में पहुंची थी। वाल्टर के कोच रहते ही दक्षिण अफ्रीका ने 36 एकदिवसीय और 31 टी20 मैच भी खेले थे। उसने नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में भी जीत हासिल की थी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी दक्षिण अफ्रीका की टीम सेमीफाइनल में पहुंची थी। वाल्टर ने पद छोड़ते हुए कहा कि दक्षिण अफ्रीका का कोच रहना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। हमने साथ मिलकर जो हासिल किया है उस पर मुझे बेहद गर्व है। इस पूरे सफर में खिलाड़ी, सहयोगी स्टाफ और दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट का काम शानदार रहा। साथ ही कहा कि मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि टीम आगे बढ़ती रहेगी और और ज्यादा से ज्यादा ऊंचाइयों पर पहुंचेगी। वहीं क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने भी वाल्टर के काम की प्रशंसा की है और कहा है कि शीघ्र ही नये कोच की घोषणा की जाएगी।

वैभव सूर्यवंशी को लेकर भारत के पूर्व कोच ग्रेग चैपल की चेतावनी

नई दिल्ली।

महज 14 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी ने जो करिश्मा कर दिखाया है, वह भारतीय क्रिकेट के इतिहास में एक अद्वितीय अध्याय बन गया है। आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेलते हुए वैभव ने केवल 35 गेंदों में शतक जड़कर सबको चौंका दिया। यह प्रदर्शन उन्हें आईपीएल में सबसे तेज़ शतक लगाने वाला भारतीय बल्लेबाज़ बना गया है और ओवरऑल सूची में वह दूसरे नंबर पर आ गए हैं। उनके इस अद्वितीय प्रदर्शन के बाद हर ओर उनकी चर्चा हो रही है। क्रिकेट विशेषज्ञ, फैंस, फ्रेंचाइज़ी और मीडिया सभी उनके टैलेंट की तारीफ कर रहे हैं, लेकिन इस बीच ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और भारत के पूर्व कोच ग्रेग चैपल ने एक अहम चेतावनी दी है। ग्रेग चैपल का मानना है कि वैभव सूर्यवंशी जैसे असाधारण प्रतिभाशाली खिलाड़ी को केवल प्रदर्शन के आधार पर नहीं, बल्कि एक मज़बूत सपोर्ट सिस्टम के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने इस विषय में सचिन तेंदुलकर का उदाहरण देते हुए कहा कि सचिन को किशोरावस्था में ही जो सफलता मिली, उसके पीछे न केवल प्रतिभा थी, बल्कि उनके पास एक सुलझा हुआ पारिवारिक माहौल, अनुभवी कोच और अनुशासित सोच भी थी, जिसने उन्हें क्रिकेट के सर्कस से बचाया। वहीं, उन्होंने विनोद कांबली और पृथ्वी शॉ की असफलताओं का जिक्र करते हुए कहा कि ये दोनों भी कम प्रतिभाशाली नहीं थे, लेकिन उनका करियर सचिन जैसा नहीं बन सका। चैपल ने कहा कि विनोद कांबली के पास अपार प्रतिभा थी, लेकिन अनुशासन और स्थिरता की कमी के चलते वे क्रिकेट की दुनिया में ज्यादा देर टिक नहीं सके। वे शराब की लत और निजी समस्याओं में उलझते गए और उनका करियर ढलान पर चला गया। वहीं पृथ्वी शॉ, जिन्होंने बेहद कम उम्र में भारत को अंडर-19 वर्ल्ड कप जिताया था और डेब्यू टेस्ट में शतक भी जड़ा था, वे भी अनुशासन और फिटनेस जैसे मुद्दों के कारण टीम इंडिया से बाहर हो चुके हैं। आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में उन्हें कोई खरीदार तक नहीं मिला। उनके नेतृत्व में खेलने वाले शुभमन गिल और अर्शदीप सिंह आज टीम इंडिया में अहम भूमिका निभा रहे हैं, जबकि शॉ पिछड़ते जा रहे हैं। ग्रेग चैपल ने यह भी कहा कि सूर्यवंशी जैसे युवा खिलाड़ियों की मार्केटिंग करने से पहले उनकी प्रतिभा को सुरक्षित और विकसित करने की ज़रूरत है।

बीसीसीआई, आईपीएल फ्रेंचाइज़ी, मेंटोर और मीडिया सभी की जिम्मेदारी बनती है कि वे ऐसे टैलेंट को केवल प्रचार का हिस्सा न बनाएं, बल्कि उन्हें मानसिक, शारीरिक और पेशेवर तौर पर तैयार करें। उन्होंने लिखा कि प्रतिभा को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उसे गाइड और संरक्षित जरूर किया जा सकता है। जरूरत इस बात की है कि हम उसे 'हीरो' बनाने की जल्दबाज़ी में उसका करियर न बिगाड़ें। वैभव सूर्यवंशी का भविष्य उज्ज्वल दिखता है, लेकिन चैपल की यह सलाह भारतीय क्रिकेट के लिए समय पर चेतावनी भी है कि प्रतिभा की रक्षा होनी चाहिए, न कि उसका केवल दोहन।

संक्षिप्त समाचार

एसआरएच को अब भी प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें

हैदराबाद।

पैट कमिंस की अगुवाई वाली सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के लिए आईपीएल 2025 का सीजन अब तक निराशाजनक रहा है। टीम ने अब तक खेले गए 10 मैचों में से 7 मैचों में हार का सामना किया है और केवल 3 मैचों में ही उन्हें जीत मिली है। शुक्रवार, 2 मई को गुजरात टाइटंस के खिलाफ 38 रन से मिली हार के बाद सनराइजर्स हैदराबाद आईपीएल 2025 की पॉइंट्स टेबल में 9वें स्थान पर खड़ी है। हालांकि, इस हार के बावजूद एसआरएच की प्लेऑफ की रेस में बने रहने की संभावना अभी भी बनी हुई है। सनराइजर्स हैदराबाद ने अब तक कुल 10 मैच खेले हैं, जिनमें से 3 मैचों में जीत और 7 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। टीम के खाते में फिलहाल 6 अंक हैं, और उनका नेट रन रेट -1.192 है। यदि सनराइजर्स को प्लेऑफ में पहुंचना है, तो उन्हें अपने बचे हुए चारों मैच जीतने होंगे। यदि वे ऐसा करने में सफल रहते हैं, तो उनके खाते में कुल 14 अंक हो जाएंगे। इसके बाद, उन्हें अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना होगा, क्योंकि 14 अंक पर कई अन्य टीमों का भी पहुंचने का खतरा है।आईपीएल 2025 की पॉइंट्स टेबल में फिलहाल मुंबई इंडियंस, गुजरात टाइटंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु सभी 14 अंक के साथ टॉप-4 की रेस में हैं, और पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स की टीमों के लिए भी 14 अंक तक पहुंचने का मौका है। ऐसे में एसआरएच को दुआ करनी होगी कि जिन टीमों के 14 अंक तक पहुंचने की संभावना है, उनमें से कुछ टीमें प्लेऑफ में अपनी जगह बनाने से चूक जाएं। आखिरकार, यह सब नेट रन रेट पर निर्भर करेगा, इसलिए सनराइजर्स हैदराबाद को केवल जीत हासिल करने के साथ-साथ अपना नेट रन रेट भी सुधारने की जरूरत होगी। अगर वे यह दोनों काम ठीक से कर पाते हैं, तो वे आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में जगह बना सकते हैं।

(अहमदाबाद) गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 38 रन से हराया

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल के 51वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को 38 रन से हरा दिया। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हैदराबाद ने बॉलिंग चुनी। गुजरात टाइटंस ने 20 ओवर के बाद 6 विकेट खोकर 224 रन बनाए। कप्तान शुभमन गिल ने 76 रन बनाए। जबकि जोस बटलर 64 रन बनाकर आउट हुए। साई सुदर्शन ने 48 रन की पारी खेली। जयदेव उनादकट ने 3 विकेट झटके। जवाब में हैदराबाद ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 186 रन ही बना पाई। नीतीश कुमार रेड्डी और पैट कमिंस क्रीज नाबाद रहे। मोहम्मद सिराज ने कामिंडू मेंडिस (शून्य), अनिकेत वर्मा (3 रन) को लगातार बॉल पर आउट किया। उन्होंने अभिषेक शर्मा (74 रन) को भी आउट किया। प्रसिद्ध कृष्णा ने हेनरिक क्लासन (23 रन) और ट्रैविस हेड (20 रन) को पवेलियन भेजा। प्रसिद्ध ने टी-20 में 100 विकेट पूरे कर लिए हैं। ईशान किशन (13 रन) को जेराल्ड कूट्जी ने आउट किया।

भारत द्वारा यूट्यूब पर लगाए गए प्रतिबंध से पाकिस्तानी कंटेंट क्रिएटर्स को नुकसान

इस्लामाबाद।

भारत सरकार द्वारा हाल ही में यूट्यूब पर लगाए गए प्रतिबंधों से पाकिस्तान के यूट्यूबर्स और पूर्व क्रिकेटरों को बड़ा नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। इन कंटेंट क्रिएटर्स का कहना है कि भारतीय दर्शकों के बिना उनके लिए अपनी पहचान बनाए रखना और कमाई करना मुश्किल हो जाएगा। पाकिस्तान के कई यूट्यूबर्स खासतौर पर क्रिकेट पर आधारित वीडियो बनाते हैं और भारत से उनकी एक बड़ी दर्शक संख्या जुड़ी रहती है, क्योंकि भारत यूट्यूब पर क्रिकेट से संबंधित सामग्री का सबसे बड़ा बाजार है। एक पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर ने इस मामले पर चिंता जताते हुए कहा, ÷हमारे चैनलों के दर्शकों का बड़ा हिस्सा भारत से आता है। यह सच्चाई है कि हम भारतीय दर्शकों पर काफी हद तक निर्भर हैं। यह प्रतिबंध हमारी पहचान और आमदनी दोनों के लिए बड़ा झटका है।÷ पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान के क्रिकेट विशेषज्ञ, पूर्व खिलाड़ी और व्लॉगर भारत में काफी लोकप्रिय हो गए हैं। वे मैचों पर अपने विचार साझा करते हैं और भारत-पाकिस्तान के क्रिकेट मुकाबलों पर विस्तृत चर्चा करते हैं। इसके अलावा, कई पाकिस्तानी यूट्यूबर्स भारतीय कंटेंट क्रिएटर्स के साथ मिलकर वीडियो बनाते थे, जिससे उन्हें व्यूज, विज्ञापन और लाइव चैट जैसी कमाई होती थी।

अब, भारतीय दर्शकों की अनुपस्थिति के कारण इन कंटेंट क्रिएटर्स की आमदनी और दर्शक संख्या दोनों में गिरावट आई है, जिससे उनका भविष्य अनिश्चित हो गया है।

डिजिटल क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रतिबंध लंबे समय तक प्रभावी रहेगा और इससे कंटेंट क्रिएटर्स को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। कुछ लोग उम्मीद कर रहे हैं कि यह प्रतिबंध अस्थायी होगा, जबकि अन्य पाकिस्तान के बाहर अपने दर्शकों का दायरा बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल, पाकिस्तानी कंटेंट क्रिएटर्स इस स्थिति से चिंतित हैं और भारत से जुड़े अपने सबसे बड़े दर्शक वर्ग को खोने से परेशान हैं।

शुभमन गिल और अंपायर के बीच हुई तीखी बहस....शांत करने पहुंचे अभिषेक शर्मा

अहमदाबाद।

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल 2025 का 51वां मैच हुआ। मैच को जीटी ने 38 रन से जीत लिया। हैदराबाद गुजरात से हारने के बाद करीब प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। गुजरात के कप्तान शुभमन गिल मुकाबले में काफी सुर्खियों में रहे। उनके बल्ले ने हैदराबाद के खिलाफ जमकर आग उंगली। इसके अलावा वे दो बार अंपायर से भी भिड़े। जब दूसरी बार उनकी अंपायर के साथ बहस हुई, तब हैदराबाद के अभिषेक शर्मा ही उन्हें रोकने के लिए आ गए। दरअसल, यह बात है सनराइजर्स हैदराबाद की पारी के 14वें ओवर की। यह ओवर गुजरात की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा डाल रहे थे। उनके ओवर की चौथी गेंद पर अभिषेक स्ट्राइक पर थे। कृष्णा ने अभिषेक को यॉर्कर डाली, जिसे वे खेल नहीं पाए। गेंद अभिषेक के पैड्स पर जाकर लगी। इसके बाद गुजरात की टीम ने अपील की। लेकिन, अंपायर ने आउट नहीं दिया। इसके बाद जीटी ने डीआरएस लिया। डीआरएस में देखा गया कि बॉल विकेट को हिट कर रही है। लेकिन इंपैक्ट उसका अंपायर्स कॉल है। अभिषेक को नॉट आउट करार दिया गया था। हालांकि, बॉल ट्रेकिंग के दौरान गेंद कहां पिच हो रही है, यह नहीं दिखाया गया। इसके बाद गिल काफी ज्यादा नाराज दिखे और उनकी अंपायर के साथ बहस हुई। जब माहौल ज्यादा गर्म हो गया था, तब खुद अभिषेक बीच में आए और गिल को शांत कराया। बता दें कि शुभमन और अभिषेक अंडर 19 वर्ल्ड कप भारत के लिए एक साथ खेल चुके हैं। इसके अलावा दोनों डॉमेस्टिक क्रिकेट में पंजाब के लिए ही क्रिकेट खेलते हैं। अभिषेक ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 225 रन के टारगेट का पीछा करते हुए तूफानी पारी खेली। उन्होंने 41 गेंद का सामना कर 180.49 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 41 गेंद में 74 रन बनाए। अपनी पारी के दौरान अभिषेक ने 4 चौके और 6 छक्के भी लगाए। हालांकि, अभिषेक अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए। एसआरएच 20 ओवर में 6 विकेट पर 186 रन ही बना पाई।

अंबाती रायुडू ने बताया कौन सी चार टीमें पहुंचेगी शीर्ष पर

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के प्लेऑफ को लेकर क्रिकेट जगत में चर्चा जोरों पर है। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने बताया कि आईपीएल में पहुंचने वाली शीर्ष 4 टीमें कौन सी होगी हैं। अंबाती रायुडू ने गुजरात टाइटंस, पंजाब किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस को चुना है। वहीं, कुंबले ने गुजरात टाइटंस, दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स या रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में से किसी एक को चुना है। मोहम्मद कैफ की पसंद गुजरात टाइटंस, दिल्ली कैपिटल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स हैं। इन दिग्गजों की भविष्यवाणियों ने आईपीएल के रोमांच को बढ़ा दिया है। दरअसल आईपीएल 2025 आधा सफर तय कर चुका है। 10 में से 8 टीमें प्लेऑफ में जगह बनाने को आतुर हैं। फिलहाल, मुंबई इंडियंस की टीम 14 अंकों के साथ टॉप पर है। वहीं इतने ही अंकों के साथ आरसीबी की टीम दूसरे नंबर पर है। वहीं 13 पाइंट्स के साथ पंजाब किंग्स तीसरे और 12 अंकों के साथ गुजरात टाइटंस की टीम चौथे नंबर पर है।

हैदराबाद से मैच में अंपायर से शुभमन ने की बहस, लग सकता है बैन या जुर्माना

अहमदाबाद।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल का 51वां मैच खेला गया। यह मैच सिर्फ स्कोरबोर्ड पर ही नहीं, बल्कि मैदान पर भी गर्माया रहा। इस मैच में गुजरात ने 38 रनों से जीत हासिल की। इस जीत से टीम को प्लेऑफ की दौड़ में पहुंचने के लिए दो अंक मिले, लेकिन गुजरात के कप्तान शुभमन गिल अंपायरों के साथ भिड़ गए। शुभमन गिल की अंपायरों के साथ हुई बहस ने सबका ध्यान खींचा। गिल पर आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन का आरोप लग सकता है।शुभमन ने 38 गेंदों में 76 रन बनाए। वह दो बार मैच अधिकारियों के साथ बहस करते नजर आए। दोनों बार उन्होंने आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन किया है। यह अंपायर के फैसले पर असहमति जताने से संबंधित है। पहली घटना गुजरात की पारी के 13वें ओवर के आखिर में हुई। गिल को विवादास्पद तरीके से रन आउट दिया गया। वह तीसरे अंपायर के फैसले से नाखुश थे। इसलिए वह डगआउट में जाते समय चौथे अंपायर से बहस करते दिखे। बाद में, हैदराबाद की पारी के दौरान गिल फिर से उत्साहित दिखे। इस बार उन्होंने अभिषेक शर्मा के खिलाफ एलबीडब्ल्यू की अपील की। गुजरात ने रिव्यू लिया, लेकिन डीआरएस में यह नहीं दिखाया गया कि गेंद कहां पिच हुई थी। इससे भ्रम पैदा हो गया। गिल ने अंपायरों के साथ चर्चा की। अभिषेक को खुद उन्हें शांत करना पड़ा। गिल का व्यवहार आचार संहिता का उल्लंघन करता दिखा। ये खंड हैं अंपायर के फैसले पर अत्यधिक, स्पष्ट निराशा और अंपायर के साथ बहस करना या लंबी चर्चा में शामिल होना। इन कार्यों को आईपीएल आचार संहिता के तहत लेवल 1 या लेवल 2 का अपराध माना जाता है। लेवल 1 के अपराध में चेतावनी या मैच फीस का 25 फीसदी तक जुर्माना और एक डिमेरिट पॉइंट लग सकता है। या 26-50 फीसदी जुर्माना और दो डिमेरिट पॉइंट लग सकते हैं। लेवल 2 के अपराध में मैच फीस का 50-100 फीसदी जुर्माना और तीन डिमेरिट पॉइंट लग सकते हैं। यहां तक कि एक या दो निलंबन पॉइंट भी लग सकते हैं, जिसमें चार डिमेरिट

पॉइंट तक हो सकते हैं। गुजरात टाइटन्स को 6 मई को मुंबई इंडियंस से भिड़ना है। मैच रेफरी के आकलन के आधार पर गिल की उपलब्धता पर सवाल उठ सकते हैं। अभी तक कोई सजा घोषित नहीं की गई है, लेकिन अगर गिल को लेवल 2 का दोषी पाया गया तो एक मैच का निलंबन भी हो सकता है।

नेमार का सैंटोस क्लब से कॉन्ट्रैक्ट अगले फीफा विश्व कप तक बढ़ाने की योजना

रियो डी जेनेरियो।

ब्राजील के स्टार फुटबॉल नेमार का सैंटोस क्लब के साथ कॉन्ट्रैक्ट अगले साल होने वाले फीफा विश्व कप तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है, हालांकि वह वर्तमान में चोटों से जूझ रहे हैं। सैंटोस क्लब के प्रेसिडेंट मार्सेलो टक्सेइरा ने इस बारे में जानकारी दी। नेमार, जिन्होंने इस साल जनवरी में अपने बचपन के क्लब सैंटोस में वापसी की थी, पहले यूरोप और सऊदी अरब में खेल चुके हैं। उन्होंने सैंटोस के साथ छह महीने का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था। मार्सेलो टक्सेइरा ने कहा कि क्लब तकनीकी रूप से यह देख रहा है कि नेमार की रिकवरी को कैसे तेज किया जाए और उन्हें अगले विश्व कप तक टीम में बनाए रखने के लिए उनके कॉन्ट्रैक्ट को कैसे बढ़ाया जा सकता है। टक्सेइरा ने यह भी बताया कि क्लब ने नेमार की चोट को ध्यान में रखते हुए पूरी टीम और व्यवस्थाएं उन्हें पूरी तरह से ठीक होने के लिए उपलब्ध कराई हैं। वह अपने पुराने क्लब में वापस लौटकर खुश हैं, क्योंकि यह उनका घर है। नेमार पिछले साल अक्टूबर में घुटने की गंभीर चोट से उबरने के बाद से पैर की मांसपेशियों की समस्याओं से परेशान रहे हैं। उन्होंने सैंटोस के लिए अब तक सिर्फ 9 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 3 गोल किए और 3 असिस्ट दिए हैं। क्लब ने उन्हें पूरी सहायता देने का वादा किया है ताकि वह जल्द से जल्द फिट हो सकें। सैंटोस इस समय ब्राजील की सीरी ए लीग में 19वें स्थान पर है और उसने छह मैचों में सिर्फ चार अंक हासिल किए हैं। हाल ही में क्लब ने पूर्व राष्ट्रीय सहायक कोच क्लेबर जेवियर को नया कोच नियुक्त किया है। जेवियर ने अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि नेमार अब मिडफील्ड में खेलेंगे और उनके खेलने की शैली में बदलाव किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नेमार की भूमिका अब अधिक केंद्रित होगी, जहां वह हमलावर खेल को नियंत्रित करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुंबई से ठाणे के बीच चली थी भारत की पहली रेलगाड़ी

भारत की यातायात में जान फुक देने वाली भारतीय रेल समूचे भारत को आपस में जोड़ कर रखती है.वर्तमान में जम्मू - कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी व गुजरात से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक फैले रेल नेटवर्क से यात्रियों को रेल यातायात की सुविधा मिल जाती है.आज सम्पूर्ण भारत में फैला रेल नेटवर्क सन 1853 में मुंबई से ठाणे के बीच मात्र 34 किलोमीटर का हुआ करता था.यु तो प्रत्येक भारतीय ने अपने जीवन में कभी न कभी रेल के सफर का लुफ्त जरूर उठाया होगा.परंतु बहुत कम ऐसे लोग है जो पहली रेल से जुड़े इतिहास व इसकी प्रग्रति को जानते होंगे.इस लेख के द्वारा आपको भारत में चलाई गई पहली रेल से जुड़े रोचक इतिहास की जानकारी देने जा रहे है.

भारत की पहली रेलगाड़ी से जुड़े रोचक व ज्ञानवर्दक तथ्य

- भारत में रेल निर्माण को लेकर सर्वप्रथम 1844 में रेल संबंधित प्रस्ताव के बारे में चर्चा की गई थी
- लार्ड डलहौजी के 1847 में भारत का गवर्नर जनरल नियुक्त होने के बाद रेल परियोजना में तेजी से काम होने लगा.
- भारत की पहली रेल 16 अप्रैल 1853 को मुंबई से ठाणे के बीच अंग्रेजो द्वारा चलाई गई थीइन दोनों स्टेशन के बीच की दुरी मात्र 34 किलोमीटर थी
- भारत में चलाई गई पहली रेल को 34 किलोमीटर की दुरी तय करने में 1 घंटा 15 मिनट का समय लगा था.
- क्या आप जानते है पहली रेल में कुल 400 यात्रियों ने सफर किया था.और इस रेल में 14 रेल डिब्बों को जोड़ा गया था.
- भारत में चलाई गई पहली रेलगाड़ी में कुल 3 इंजिन को लगाया गया था.जिनका नाम क्रमश : सिंध, मुल्तान व शाहिब था.
- पहली रेल को भांप इंजन के द्वारा चलाया गया था.
- इस रेल का निर्माण करने वाली कंपनी का नाम मध्य रेलवे की ग्रेट इंडियन पेनिनसुलर रेलवे था.
- जिस समय इस ट्रेन को चलाया गया था तब समय 3 बजकर 35 मिनट हो रहे थे.
- वर्तमान में भारतीय रेल नेटवर्क एशिया का दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है व सम्पूर्ण विश्व में भारतीय रेल नेटवर्क को 4 स्थान हासिल है.

कंगारू में होती है गजब की खूबियाँ

कंगारू जिसे उछलने वाला जानवर के नाम से भी जाना जाता है.और यह ऑस्ट्रेलिया का राष्ट्रीय पशु है.यह एक स्तनधारी जीव है परंतु यह स्तनधारी जीव होकर भी उन जीवों से बेहद अलग है, क्योंकि यह अपने दो पैरों पर चलता है और चलना भी क्या यह अपने पैरों पर चलकर ना अपितु उछलकर चलता है.जी हा दोस्तों आज का हमारा लेख इसी गजब जानवर से संबंधित है.आज हम आपको कंगारू से जुड़े ऐसे रोचक तथ्य बताने जा रहे हैं जो आपने आज से पहले शायद नहीं पढ़े होंगे.तो देर ना करते हुए चलिए जानते हैं कंगारु से जुड़े हैरान कर देने वाले महत्वपूर्ण तथ्य

- क्या आप जानते हैं विश्व में सर्वाधिक मात्रा में कंगारू ऑस्ट्रेलिया में पाए जाते हैं.यहां पर आपको कंगारू सड़कों पर घूमते मिल जाएंगे.उदाहरण के तौर पर जिस तरह भारत की गलियों में कुत्तों की फौज घूमती है ठीक ऐसे ही ऑस्ट्रेलिया की गली गली में कंगारू घूमते है.
- क्या आप जानते हैं कंगारू एक शाकाहारी जीव होता है और यह आमतौर पर फल, घास इत्यादि खाते हैं.
- विश्व में अब तक कंगारुओं की कुल 4 प्रजातियां खोजी गई हैं. जिन्हें रेड कंगारू , अंतिलोपीन कंगारू, ईस्टर्न ग्रे और वेस्टर्न ग्रे के नाम से जाना जाता है.
- कंगारू जमीन पर उछल कर चलने वाला प्राणी है क्योंकि इसके अगले दो पैर छोटे होते हैं जिसके कारण यह जमीन पर संतुलन नहीं बना पाते और यह अपने पिछले दो पैरों पर कूद-कूद कर आगे बढ़ते हैं.
- आपको जानकर हैरानी होगी कंगारू जमीन पर चलने के साथ-साथ पानी में तैर भी सकते हैं.
- क्या आप जानते हैं कंगारू अपने सर को गुमाये बिना अपने कानों को किसी भी दिशा में घुमा सकते हैं.अर्थार्थ इन्हें अपने कानों को किसी भी दिशा में घुमाने के लिए सिर को घुमाने की जरूरत नहीं होती.
- क्या आप जानते हैं कंगारू का गर्भकाल बेहद छोटा होता है और यह मात्र 30 से 35 दिनों का ही होता है, परंतु इतने छोटे गर्भकाल के कारण कंगारू का बच्चा पूर्ण रूप से विकसित नहीं हो पाता और यह अपनी मां के पेट पर बनी थैली में पहुंच जाता है और यही से यह बच्चा पूर्ण रूप से विकसित होना शुरू होता है.
- क्या आप जानते हैं कंगारुओं का एक पांचवा पैर भी होता है. उदाहरण के तौर पर कंगारुओं की पूंछ इतनी शक्तिशाली होती है कि यह सिर्फ अपनी पूंछ पर अपना सारा वजन डाल सकते हैं और यह पूछ इन के पांचवें पैर का काम करती है.
- जब यह 40 से 60 किमी की रफ्तार से जम्प करता है तो इसके पीछे पैर और पूंछ से अपना संतुलन बनाए रखता है। खड़े रहने पर उसकी पूंछ ही उसका सहारा होती है.
- नर कंगारू को बूम, मादा कंगारू को डो और कंगारू के बच्चे को जॉय कहा जाता है.
- क्या आप जानते है इनकी आंखें बहुत तेज होती हैं परंतु ये सिर्फ चलती-फिरती वस्तुओं को ही देख पाते हैं.

आजकल युवाओं में एनिमे का बड़ा क्रेज है। स्कूल-कॉलेजों में बच्चे झुंड बनाकर बस इसी के बारे में चर्चा करते रहते हैं। जो नई एनिमे सबसे पहले देखकर आता है, उसे बाकियों द्वारा 'कूल' समझा जाता है। पिछले कुछ वर्षों में एनिमे ने वैश्विक स्तर पर प्रसिद्धि प्राप्त की है। दिसंबर 2021 में जारी की गई एक रिपोर्ट की माने तो पूरी दुनिया में करीब 50 करोड़ लोग एनिमे देखना पसंद करते है। तो आखिर ये एनिमे है क्या? और इसकी इतनी लोकप्रियता का राज क्या है?

एनिमे क्या है?

'एनिमे' शब्द जापान से प्रचलित हुआ है - जिसका मतलब है एनीमेशन। अब आप ये सोचेंगे कि भला युवाओं को कार्टूनों की दुनिया से क्या लेना-देना? लेकिन, इन्हीं कार्टूनों ने युवाओं की मानसिकता पर ऐसा प्रभाव डाला है कि अगर उनके सामने एनिमे को कोई कार्टून कह दे, तो वे बिफर जाते हैं। क्यों कि उनके अनुसार एनिमे, कार्टून सीरीज से अलग है। ये सीरीज अक्सर जापान के लेखकों द्वारा लिखे गए 'मांगा' (लघु उपन्यास) पर आधारित होती है। यूं तो जापानीज एनीमेशन 1920 के दशक से प्रसारित होता आ रहा है, लेकिन कुछ सालों पहले से एनिमे की एक नई श्रेणी प्रचलित हुई है, जिसे 'शोनेन' कहा जाता है। इस तरह के एनिमे सीरीज मुख्य रूप से युवा दर्शकों की रूचि को केंद्र में रखकर बनाए जाते हैं। वेब सीरीज की तरह इनके भी सीजन्स और एपिसोड्स होते हैं, जिन्हें ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से देखा जा सकता है। अटैक ऑन टाइटन, फुल मेन्टल अलकेमिस्ट, वन पीस, नारुटो, डेथ नोट, जुजुत्सु काइसन, वन पंच मैन आदि प्रसिद्ध एनिमे की लिस्ट में गिने जाते हैं।

एनिमे की लोकप्रियता का रहस्य क्या है?

अकेले जापान में ही एनिमे का सालाना कारोबार 19 बिलियन डॉलर (1900 करोड़) का है। इसकी लोकप्रियता के कारण कई सारे ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ऐसे भी हैं, जहां पर केवल एनिमे ही उपलब्ध है। 'नारूटो' नामक एनिमे सीरीज के सभी सीजन्स मिलाकर 822 एपिसोड्स हैं ,जिन्हें कई युवाओं द्वारा बिंज वॉचिंग करके कुछ ही महीनों के भीतर देखा जा चुका है। एनिमे सीरीज और किरदारों से जुड़े प्रोडक्ट जैसे टी-शर्ट्स, मास्क्स, स्टिकर्स आदि बेचने वाली कंपनियां भी जमकर मुनाफा कमा रही है। नियमित रूप से एनिमे देखने वालों के लिए अब ये मनोरंजन का प्राथमिक साधन बन गया है। आइए जानते हैं एनिमे की इतनी लोकप्रियता के मुख्य कारण क्या है.-

दुनियाभर के युवाओं के बीच लोकप्रिय एनिमे की सफलता का रहस्य क्या है

विषयों की विविधता

एनिमे की शैलियों की विस्तृत श्रृंखला इनकी लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण है। एनिमे में हर व्यक्ति अपने हिसाब की शैली का आनंद ले सकता है। रोमांस, कॉमेडी, एक्शन, एडवेंचर, मिस्ट्री, सस्पेंस और हॉरर आदि एनीमे प्लॉट्स द्वारा खोजी गई कई शैलियों में से कुछ हैं। तो आप एक अपनी पसंद को ध्यान में रखकर कोई भी दिलचस्प क्षेत्र से शुरू कर सकते हैं। एनिमे सीरीज की कहानी इस तरह से बनाई जाती है कि हर उम्र के दर्शकों को मनोरंजन प्रदान किया जा सके। कहा जा सकता है की एनिमे बॉलीवुड और हॉलीवुड की तरह ही एक इंडस्ट्री है, जिसमें हर तरह के विषयों पर कंटेंट बनाया और परोसा जाता है।

बेहद प्रभावशाली एनीमेशन और किसी को पल भर में मोहित कर लेना ही दृश्य तत्व का मुख्य दायित्व होता है, जिसे एनिमे क्रिएटर्स द्वारा बड़े प्रभावी ढंग से किया जाता है। हर चीज एनिमेटेड होने की वजह से युवाओं को जोड़े रखना चुनौतीपूर्ण कार्य है। किन्तु,कल्पनाशील अभिव्यक्ति और रचनात्मकता के सहारे हर कहानी को बहुत ही खूबसूरती के साथ प्रदर्शित किया जाता है। रंग और छायांकन के उपयोग से लेकर विस्तृत विवरण और स्पष्टता तक, सब कुछ इतनी सावधानी और सोच-समझकर बनाया जाता है, जिससे आपको ऐसा अनुभव हो कि आप उसी कहानी के एक किरदार है। कई सारे हाई क्वालिटी ग्राफिक्स का इस्तेमाल करके एक्शन, हॉरर सीन्स को इतना बेहतरीन बना दिया जाता है कि दर्शक अपनी जगह से हिल भी न पाए। इस तरह एनिमे देखने वाले लोग कई एपिसोड्स को एक ही बार में देख लिया करते हैं।

असल जिन्दगी से जुड़े किरदार

वैसे तो एनिमे कार्टून सीरीज ही हैं, लेकिन इसके किरदार रियल लाइफ से काफी हद तक जुड़े होते हैं। ये सिर्फ हंसी-खुशी तक सीमित न रहकर डिप्रेशन, मानसिक दुर्बलता, जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने में कठिनाई आदि कई विषयों पर भी खुलकर बात करते हैं। एनिमे के विषयों और किरदारों को युवा पीढ़ी अपने वास्तविक जीवन से जोड़कर देखने लगी है। एनिमे की सबसे अच्छी बात ये होती है कि इसकी कहानियों में किरदारों को बहुत अच्छी तरह से बना जाता है, जिन्हें देखते देखते दर्शकों को उनसे जुड़ाव महसूस होने लगता है। यही जुड़ाव उन्हें कहानी के अंत तक जाने के लिए प्रेरित भी करता है। कहानी के साथ साथ पात्रों के चरित्र को प्रभावशाली संवादों और विजुअल्स के साथ बखूबी प्रदर्शित किया जाता है। साथ ही हर एनिमे अपने भीतर किसी न किसी जीवन मूल्य को छुपाए होता है। इसमें किरदारों के व्यक्तित्व की उन खूबियों को भी दिखाया जाता है, जिसे टीवी या ओटीटी सीरीज के निर्माता नजरअंदाज कर देते हैं। एनिमे किरदारों के ये सभी गुण मिलकर उन्हें और अधिक वास्तविक रूप प्रदान करते हैं।

विजुअल इफेक्ट्स में चार चांद लगाने का काम एनिमे का पार्श्व संगीत करता है, जो दर्शकों को कहानी और किरदारों से जोड़े रखता है। यह काफी रहस्यमय और लगभग चमत्कारी है कि किस तरह एनिमे का संगीत किसी चीज को भावनाओं की एक शक्तिशाली प्रतिध्वनि में बदल सकता है।

बदलाव को स्वीकारने वाला समुदाय

एनिमे सीरीज की सबसे खास बात ये है कि इसके निर्माताओं के ग्रुप की सोच बहुत ही प्रगतिशील है, जो मनोरंजन के क्षेत्र में दुनियाभर में हो रहे बदलावों को ध्यान में रखकर कंटेंट का निर्माण करता है। यह देखते हुए कि एनिमे रचनात्मकता को संचालित करता है, इसका ग्रुप भी जबरदस्त प्रतिभा और क्षमता से भरा हुआ है। एनीमे सम्मेलन कुशल कलाकारों, संगीतकारों, लेखकों, पोशाक डिजाइनरों, फोटोग्राफरों, वीडियोग्राफरों और अन्य रचनाकारों के लिए महान मंच प्रदान करते हैं जो एनिमे के माध्यम से अपने काम को प्रस्तुत करने की दिशा में कार्य करना चाहते हैं। ग्रुप ने एक यूट्यूब निर्माताओं उप-श्रेणी का उदय भी किया है, जो एनीमे से जुड़ा कंटेंट बनाते हैं।

एनिमे सीरीज की सबसे अच्छी बात ये है की इसमें दर्शक को हर बार एक नया एहसास होता है। भारत के साथ साथ विश्व भर में एनिमे के भविष्य को लेकर अपार संभावनाएं है। एनिमे एक ऐसे विकल्प के रूप में उभर रहा है, जो हो सकता है आगे चलकर दुनियाभर के युवाओं के लिए मनोरंजन का प्राथमिक साधन बनने का माद्दा रखता है।

लंगड़ा भूत

जिस दिन से नूरांश का सातवीं क्लास का रिजल्ट आया था, उसी दिन से उसने पापा से दादी के गांव ले चलने की रट लगा रखी थी। कहता था, 'इस साल मुझे दादी के गांव ही जाना है बस। हिल स्टेशन पर घूमने भी नहीं जाना।' उसका गांव जाने को लेकर उत्साह देखते हुए उसके मम्मी-पापा ने उससे प्रॉमिस किया कि, 'ठीक है, इन गर्मियों की छुटियों में दादी के पास गांव चलेंगे।' मम्मी-पापा से प्रॉमिस लेने के बाद ही नूरांश निश्चिंत। दस दिन बीत जाने के बाद आखिर दादी के घर जाने का समय भी आ गया। नूरांश बहुत खुश था, क्योंकि उसके पापा ने गर्मी की छुट्टियों में दादी और चाचा के पास गांव जाने के लिए टिकट बुक करवा लिए थे। अगले दिन उन्हें गांव जाना था। अगले दिन नूरांश गांव पहुंच गया। वह बहुत खुश था । उसकी दादी, चाचा, चाची, उसके चचेरे भाई-बहन रेयांश और गुड्डन सब उसे प्यार करते थे और उसके आने से बहुत खुश थे। एक दिन दोपहर का खाना खाने के बाद जब सब सोए हुए थे तो नूरांश को गर्मी की वजह से नींद नहीं आ रही थी। वह चुपचाप अपने कमरे से बाहर दादी के पास बरामदे में आ गया और बोला, 'दादी, मुझे नींद नहीं आ रही है। मेरा मन खेतों की ठंडी हवा में जाने का कर रहा है। क्या मैं खेतों में जाकर आ सकता हूं?' दादी बोलीं, 'बेटा ! खेत तो यहां से काफी दूर हैं, तुम अकेले कैसे जाओगे? फिर वापस आते-आते अंधेरा भी हो जाएगा और रास्ते में पीपल का पेड़ भी पड़ेगा। लोग कहते हैं कि उस पेड़ पर लंगड़ा भूत रहता है। तुम आज रहने दो, कल चाचा के साथ मोटरसाइकिल से खेतों की तरफ चले जाना।' यह सुनकर नूरांश बोला, 'दादी, मैं पैदल थोड़े ही जाऊंगा। चाचा की साइकिल पर जाऊंगा, मुझे साइकिल चलानी आती है और शाम होने से पहले ही लौट आऊंगा। फिर किस बात का डर? तभी उसके चाचा भी अंदर से उठकर आ गए और कहने लगे, 'मां, उसका मन है तो जाने दो। अब वो आठवीं क्लास में पढ़ता है, छोटा बच्चा नहीं है। जाओ नूरांश, ध्यान से साइकिल चलाना। इसका स्टैंड थोड़ा ढीला है, पर साइकिल ठीक चलती है। और हां, जल्दी आ जाना नहीं तो तुम्हारी दादी यूं ही घबराती रहेंगी।' 'ठीक है चाचू , मैं जल्दी आ जाऊंगा। थैंक्यू दादी, थैंक्यू चाचू। दादी, मम्मी-पापा जब उठ जाएं तो उन्हें भी बता देना।' इतना कहकर नूरांश साइकिल लेकर खेतों की ओर चला गया। हरे-हरे लहलहाते खेतों को देखकर उसे बहुत अच्छा लगा। मिट्टी की सौंधी-सौंधी खुशबू के बीच टहलते हुए उसे बहुत मजा आ रहा था। कुछ आगे जाने पर उसने खेतो में मोर नाचते हुए भी देखे। वह उन्हें एकटक देखता ही रह गया। तभी उसकी नजर एक पेड़ के नीचे बिछी हुई चारपाई पर पड़ी। उसने सोचा,'अभी तो शाम होने में बहुत समय है, चलो कुछ देर इसी चारपाई पर लेटता हूं।' ऐसा सोचते-सोचते वह चारपाई पर लेट गया। ठंडी-ठंडी हवा चल रही थी। इस बीच उसकी आंख कब लग गई, उसे पता ही नहीं चला। जब उसकी आंख खुली तो अंधेरा हो चुका था।

यह देखकर वह खुद को कोसने लगा कि वह सोया ही क्यों! घर पर सब चिंता कर रहे होंगे, यह ख्याल आते ही वह फटाफट उठा और जल्दी-जल्दी साइकिल चलाने लगा। जल्दी घर पहुंचने के लिए वह तेजी से साइकिल चला रहा था। जैसे ही वह पीपल के पेड़ के पास पहुंचा, अचानक अंधेरे में साइकिल का अगला पहिया एक पत्थर पर चढ़ गया और वह गिर पड़ा। तभी दादी के शब्द उसके कानों में गूंजने लगे कि पीपल के पेड़ पर लंगड़ा भूत रहता है। उसने फटाफट अपनी साइकिल उठाई और घर की तरफ जाने लगा। पर यह क्या? उसके पीछे खरड़-खरड़ और छन-छन जैसी आवाजें आने लगीं। उसने सोचा कि हो न हो लंगड़ा भूत ही उसके पीछे आ रहा है। यह बात मन में आते ही उसने साइकिल और तेज चलानी शुरू कर दी। पर यह क्या? वह जितनी तेजी से साइकिल चलाता, छन-छन की आवाज भी उतनी ही तेजी से आने लगती, जैसे कोई उसके पीछे आ रहा हो। डर से उसके हाथ कांपने लगे और वह पूरी तरह पसीने से भीग गया। तभी उसे गांव की लाइटें दिखाई देने लगीं। उसने हिम्मत नहीं हारी और किसी तरह साइकिल चलाता रहा। आवाजें भी लगातार आती रहीं। कुछ देर बाद वह घर पहुंच गया।

घर पहुंचते ही उसने साइकिल एक तरफ फेंकी और चाचा को देखते ही उनसे लिपट गया। बोला,'चाचू, मुझे बचा लो, मेरे पीछे पीपल के पेड़ वाला लंगड़ा भूत आ रहा है। वह मुझे खा जाएगा।' चाचा और पूरा परिवार उसकी ऐसी हालत देखकर हैरान हो गए। सबने उसे पानी पिलाया फिर उसका डर भगाने की कोशिश करने लगे। चाचा बोले,'कोई भूत-वूत नहीं होता है। यह तो हमारे अंदर का डर होता है बस और कुछ नहीं। अच्छा, अगर भूत है तो बताओ वह अंदर क्यों नहीं आया? मुझे पूरी बात बताओ कि आखिर हुआ क्या था?' अब तक नूरांश का डर भी काफी कम हो चुका था। उसने चाचा को बताया कि कैसे उसे खेत में नींद आ जाने पर अंधेरा हो गया था और घर जल्दी पहुंचने के लिए वह साइकिल तेज चलाने लगा। इसके बाद पीपल के पेड़ के पास गिरने और लंगड़े भूत के पीछा करने की आवाजें आने की बात भी उसने चाचा को बताई। इतना सुनते ही चाचा दो मिनट के लिए बाहर गए और साइकिल देखते ही सारा माजरा समझ गए।

उन्होंने नूरांश को अपने पास बुलाया और पूछा,'तुमने अपने स्कूल में पेड़ों के बारे में जरूर पढ़ा होगा। अब जरा बताओ कि पेड़ हमारे दोस्त हैं या दुश्मन?' 'चाचू, दोस्त हैं।' चाचा ने फिर सवाल किया, 'फिर तुमने यह कैसे सोच लिया कि पीपल के पेड़ पर भूत रहता है?' नूरांश बोला, 'वो दादी ने कहा था न, इसलिए मुझे ऐसा लगा।' चाचा ने समझाया, 'बेटा, आपकी दादी गांव में रहती हैं और सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास कर लेती हैं, क्योंकि उनके समय में आजकल की तरह शिक्षा के साधन नहीं थे। गांव में स्कूल नहीं होते थे, पर अब ऐसा नहीं है। सब शिक्षित होते जा रहे हैं। शिक्षा से ही हमारा अज्ञान दूर होता है और हम तरक्की करते हैं। जरा सोचो कि जो पेड़ हमें छाया देते हैं, फल-फूल, लकड़ी आदि देते हैं, बंदर और गिलहरी आदि जीवों को शरण देते हैं, घनी छाया देते हैं, धरती की शोभा बढाते हैं, ऐसे दोस्त क्या हमें भूत देंगे?' 'नहीं चाचू, आई एम सॉरी।' 'आओ, अब तुम्हें तुम्हारे लंगड़े भूत से भी मिलवाते हैं। बाहर आओ।' चाचा नूरांश को साइकिल के पास लेकर गए और उससे पूछा,'जब तुम खेतो में साइकिल लेकर जा रहे थे तो याद है मैंने तुमसे कुछ कहा था।' 'आपने कहा था कि साइकिल का स्टैंड थोड़ा ढीला है, ध्यान से चलाना।' 'हां, बिल्कुल ठीक। तो यह देखो! हुआ यह कि जब तुमसे साइकिल गिरी तो उसका स्टैंड ढीला होने की वजह से एक साइड से निकल गया और जमीन से टकराने लगा। तुम साइकिल चला रहे थे तो वह जमीन से बार-बार टकराकर आवाज कर रहा होगा। तुमने साइकिल चलाने की स्पीड बढ़ाई होगी तो जरूर उसकी आवाज और तेज हो गई होगी। और तुम समझते रहे कि कोई लंगड़ा भूत तुम्हारा पीछा कर रहा है। अब तो सारा माजरा समझ गए न।' 'सब समझ में आ गया चाचू। अब मैं हर काम सोच-समझकर करूंगा और अंधविश्वास से हमेशा दूर रहूंगा। दादी आप भी कभी सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास मत कीजिएगा और अगर आप ऐसा करेंगी तो लंगड़े भूत को आपके पीछे लगा दूंगा।' नूरांश के ऐसा कहते ही सब खिलखिलाकर हंस दिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वीर छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़े प्रमुख स्थलों को घुमाएगा आईआरसीटीसी

6 दिवसीय हेरिटेज टूर सीएसएमटी से शुरु होगा

मुंबई।

भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी के जीवन से जुड़े प्रमुख स्थलों के लिए हेरिटेज टूर शुरू करने वाला है। 6 दिवसीय यात्रा कार्यक्रम की शुरुआत छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) से शुरु होकर समापान कोल्हापुर में होगा। कोल्हापुर से ट्रेन मुंबई के लिए अपनी वापसी यात्रा शुरू करेगी। आईआरसीटीसी के अनुसार पहला गंतव्य रायगढ़ होगा। यहां छत्रपति शिवाजी का राज्याभिषेक हुआ था। इसके बाद में यह उनकी राजधानी बनी, जहां से उन्होंने शासन किया। दर्शनीय स्थलों की सैर के बाद ट्रेन अगले गंतव्य पुणे के लिए रवाना होगी, जहां पर्यटक रात्रि भोजन करने और एक स्थानीय होटल में रात्रि विश्राम करने वाले है। दूसरे दिन पर्यटक पुणे के कुछ लोकप्रिय स्थलों का भ्रमण करने वाले है। जिसमें लाल महल, कस्बा गणपति और शिवसृष्टि शामिल हैं। लाल महल, जैसा कि नाम से पता चलता है, एक लाल रंग का महल है जिसका निर्माण छत्रपति शिवाजी के पिता शाहजी भोसले ने अपनी पत्नी जीजाबाई और बेटे के लिए 1630 ई. में कराया था। तीसरे दिन, वे पुणे से 95 किमी दूर स्थित एक पहाड़ी पर स्थित शिवनेरी किले का दौरा होगा। आईआरसीटीसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह शिवाजी का जन्मस्थान है और मराठा गौरव का प्रतीक है। दोपहर के भोजन के बाद पर्यटक रात्रि विश्राम के लिए पुणे लौटने से पहले 12 ज्योतिर्लिंग मंदिरों में से एक भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग मंदिर का दर्शन करने वाले है। आईआरसीटीसी के अनुसार, चौथे दिन पर्यटक सतारा जाएंगे, जहां वे प्रतापगढ़ किले का दौरा करने वाले है। इस किले का ऐतिहासिक महत्व है, क्योंकि 1659 में छत्रपति शिवाजी और बीजापुर सल्तनत के जनरल अफजल खान के बीच प्रतापगढ़ की लड़ाई हुई थी। इस युद्ध ने मराठा साम्राज्य की स्थापना के लिए मंच तैयार किया गया था। इसके बाद सतारा से ट्रेन अपने अंतिम गंतव्य कोल्हापुर की ओर बढ़ेगी। कोल्हापुर में, पर्यटक पन्हाला किले की ओर बढ़ने से पहले अंबाबाई के नाम से प्रसिद्ध महालक्ष्मी मंदिर को देखने का मौका पर्यटकों को मिलेगा। सह्याद्रि पर्वतमाला के शिखर पर स्थित यह पहाड़ी किला कई युद्धों का साक्षी है। छत्रपति शिवाजी से निकटता से जुड़ा हुआ है, जिन्होंने भागने से पहले बंदी बनाए जाने के बाद 500 से अधिक दिन यहां बिताए थे। आईआरसीटीसी के अनुसार टूर स्लीपर

क्लास में प्रति व्यक्ति 13,155 रुपये, 3एसी में प्रति व्यक्ति 19,840 रुपये और 2एसी में प्रति व्यक्ति 27,365 रुपये चार्ज रहेगा।

सभी समावेशी मूल्य में संबंधित वर्गों में ट्रेन यात्रा, आरामदायक होटलों में रात का ठहराव, सभी भोजन (केवल शाकाहारी), बसों में सभी स्थानांतरण और दर्शनीय स्थल, यात्रा बीमा, टूर एस्कॉर्ट की सेवाएं आदि शामिल रहने वाले है।

पीएम मोदी ने अंगोला के राष्ट्रपति लौरेंको के साथ की द्विपक्षीय बैठक

दोनों देश ने आतंकवाद को मानवता के लिए बताया खतरा

नई दिल्ली।

पीएम नरेन्द्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इसके बाद उन्होंने कहा कि मैं राष्ट्रपति लौरेंको और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करता हूं। यह एक ऐतिहासिक क्षण है। 38 साल बाद अंगोला के राष्ट्रपति की यह भारत यात्रा है। उनकी यात्रा न केवल भारत और अंगोला के बीच संबंधों को एक नई दिशा देगी, बल्कि भारत-अफ्रीका संबंधों को भी मजबूत करेगी। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और अंगोला अपने राजनीतिक संबंधों की 40वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। जब अंगोला अपनी आजादी के लिए लड़ रहा था, तब भारत उसके साथ खड़ा था। आज हम कई क्षेत्रों में साझेदार हैं। भारत तेल और गैस के सबसे बड़े खरीदारों में से एक है। हमने अपने ऊर्जा संबंधों को मजबूत करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि हम अंगोला की सशस्त्र सेनाओं के आधुनिकीकरण के लिए 200 मिलियन डॉलर की रक्षा ऋण सहायता प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि हम अंगोला के सशस्त्र बलों के प्रशिक्षण में सहायता करके खुश होंगे। अपनी विकास साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए, हम डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण में अंगोला के साथ अपनी क्षमताओं को साझा करेंगे। आज हमने स्वास्थ्य सेवा, हीरा प्रसंस्करण, उर्वरक और महत्वपूर्ण खनिजों में अपने संबंधों को और मजबूत करने का फैसला लिया है। अंगोला में योग और बॉलीवुड की लोकप्रियता हमारे सांस्कृतिक संबंधों की मजबूती का प्रतीक है। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देश इस बात पर एकमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए खतरा है। मैं पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए राष्ट्रपति लौरेंको और अंगोला को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने साफ कहा कि हम आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों के खिलाफ़ ठोस और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ़ हमारी लड़ाई में अंगोला के समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

केदारनाथ धाम के कपाट खुले, पहली पूजा पीएम मोदी के नाम से

यात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू

देहरादून।

भगवान केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई को सुबह 7 बजे वैदिक मंत्रोचार और पूजा अर्चना के साथ श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए हैं। इसके साथ ही केदारनाथ के लिए हेली सेवा भी शुरू हो गई है। कपाट खुलने के दौरान हर हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों के साथ ही सेना के बैंड की मधुर धुनों के बीच भक्तों का उत्साह देखते ही बनाता था। धार्मिक परंपरा निभाने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बाबा केदार के दर्शन कर संपूण प्रदेश और देश की खुशहाली के लिए मंदिर में प्रार्थना की। मंदिर में पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से कराई गई। पहले दिन 30154 श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए। अब, छह माह तक भगवान केदारनाथ की पूजा केदारनाथ धाम में होगी। बीकेटीसी के वेदपाठी, आचार्य और तीर्थपुरोहित के वेद मंत्रों के बीच ठीक 7 बजे मंदिर का मुख्य द्वार खुला। कपाट खुलते ही मंदिर में पहली पूजा प्रधानमंत्री मोदी के नाम से हुई।

सीएम ने देश की खुशहाली के लिए विशेष पूजा करने के साथ बाबा केदारनाथ का रुद्राभिषेक किया। इसके बाद उन्होंने नंदी महाराज को वस्त्र पहनाकर पूजा-अर्चना की। इससे पूर्व मंदिर के मुख्य द्वार पर केदारनाथ रावल द्वारा मंदिर में भगवान केदारनाथ धाम की महत्ता और कपाटोत्सव की परम्परा और पूजा को लेकर जानकारी दी गई। कपाटोत्सव के लिए केदारनाथ मंदिर को 108 कुंतल फूलों से सजाया गया था। केदारनाथ के लिए कपाट खुलने के दिन से ही 9 हेलीकॉप्टर कंपनियों ने हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू कर दी हैं। पहले ही दिन हेलीकॉप्टर कंपनियों में यात्रियों की भीड़ लगी रही।

शुक्रवार सुबह से ही केदारघाटी के अनेक हेलीपैडों से हेलीकॉप्टरों की उड़ानें शुरू हुई। केदारनाथ के कपाट खुलने पर करीब 30 हजार से ज्यादा यात्री धाम में मौजूद थे। मंदिर और परिसर के चारों ओर आईटीबीपी, पुलिस तैनात रही। वीआईपी द्वार पर कपाट खुलने में भागीदारी करने वाले लोगों को रुकने नहीं दिया गया। यात्रा के शुरूआत के दिन मंदिर परिसर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

मणिपुर हिंसा के दो साल पूरे, दोनों संगठनों ने बुलाया बंद....सड़कों पर पसरा सन्नाटा

इंफाल।

मणिपुर हिंसा को 3 मई को दो साल पूरे हो गए हैं।

इस दौरान 250 से ज्यादा मौतें हुईं। 50 हजार लोग आज भी विस्थापित जिंदगी जीने को मजबूर हैं।

जो 6 हजार एफआईआर दर्ज हुईं, उसमें से करीब 2500 में कार्रवाई आगे नहीं बढ़ी। जो गंभीर अपराध हैं, उन पर सीबीआई या राज्य शासन कोई अपडेट नहीं दे रहा है। शनिवार को मैतेई संगठन कोऑर्डिनेटिं कमेटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी (सीओसीओएमआई) ने लोगों से सभी गतिविधियां बंद रखने और अपने कन्वेंशन में शामिल होने के लिए कहा है।

वहीं, कुकी स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन (केएसओ) और जोमी स्टूडेंट्स फेडरेशन (जेडएसएफ) ने भी कुकी आबादी वाले इलाकों में बंद बुलाया है। मणिपुर में करीब सभी जगह बाजार, दुकानें और स्कूल-कॉलेज बंद हैं और सड़कों पर सन्नाटा पसरा है। कुकी समुदाय आज के दिन को डे ऑफ आइसोलेशन के रूप में मना रहा है।

इधर, राज्य में तनाव को देखकर सुरक्षाबलों ने इंफाल, चुराचांदपुर और कंगपोकपी में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की है।

मणिपुर हिंसा की दूसरी बरसी से एक दिन पहले (2 मई) सुरक्षाबलों ने फ्लैग मार्च किया। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 34 बटालियन के डीआईजी सुशांकर उपाध्याय ने बताया कि इस फ्लैग मार्च से लोगों में एक भरोसा पैदा होगा। लोगों को लगेगा कि हालात पर काबू पाने के लिए यहां एक न्यूट्रल (किसी के पक्ष में नहीं) फोर्स है। डीआईजी उपाध्याय ने बताया कि फ्लैग मार्च में 1000 जवान शामिल हुए।

राम मंदिर से संदिग्ध महिला और एक युवक को हिरासत में लिया, पूछताछ जारी

पुलिस ने कहा- महिला और युवक का कराया जा रहा सत्यापन

अयोध्या।

अयोध्या राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा में तैनात जवानों ने महाराष्ट्र की एक महिला को हिरासत में लिया है। पूछताछ के लिए उसे पुलिस के हवाले कर दिया है। पुलिस और एजेंसियां महिला का नाम, पता आदि के सत्यापन कर रही हैं। बताया जा रहा है कि मूलरूप से महाराष्ट्र की रहने वाली इरिम नामक महिला शुक्रवार को राम जन्मभूमि परिसर में अन्य श्रद्धालुओं के साथ दर्शन करने पहुंची थी। वहीं राम जन्मभूमि परिसर में कैमरा लगा चश्मा लगाकर प्रवेश करते हुए सुरक्षाकर्मियों ने एक युवक को पकड़ा है। सीओ ने बताया कि युवक से पूछताछ और उसका भी सत्यापन कराया जा रहा है। दर्शन के बाद वह वापस लौट रही थी तो निकासी मार्ग पर सुरक्षा में तैनात जवानों ने उसके हावभाव देख महिला को रोका और पूछताछ की। सिर और चेहरे पर नीला कपड़ा बांधे यह महिला सुरक्षा कर्मियों से उलझ गई। मामला संदिग्ध देख इसकी जानकारी अधिकारियों को दी गई और

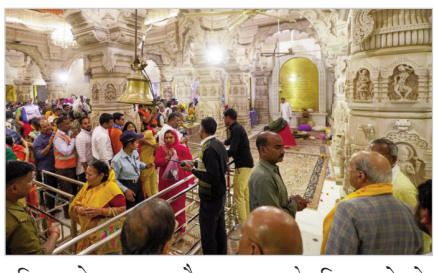

महिला को पूछताछ और सत्यापन के लिए थाने ले जाया गया। थाना पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने महिला से कई राउंड पूछताछ की है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि वह उल्टे सीधे जवाब दे रही है। हालांकि आरजेबी थाना प्रभारी ने ऐसी कोई जानकारी होने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि थाने पर कोई नहीं आया था। हो सकता है परिसर में ही पूछताछ हो रही हो। क्षेत्राधिकारी अयोध्या ने बताया कि महिला का नाम पता आदि का सत्यापन कराया जा रहा है। फिलहाल अभी तक कोई आपत्तिजनक बात सामने नहीं आई है।

जाति जनगणना के फैसले का श्रेय सिर्फ और सिर्फ प्रधानमंत्री और नीतीश को जाता

केंद्रीय मंत्री और जेडीयू नेता का लालू परिवार पर हमला

पटना।

केंद्रीय मंत्री और जेडीयू नेता राजीव रंजन (ललन) सिंह ने राजद में जमकर भड़ास निकाली है। उन्होंने कहा कि लालू यादव ने 2004 में यूपीए सरकार के गठन में समर्थन किया था। 2005 में नीतीश कुमार सीएम बनने वाले थे, तब लालू जो उस समय रेल मंत्री थे, ने बिहार विधानसभा को तत्काल भंग करने के लिए रात 2 बजे तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से मुलाकात कर धमकी दी कि अगर ऐसा नहीं हुआ, तब आपकी सरकार गिर जाएगी। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि अगर जाति जनगणना उनका एजेंडा होता, तब लालू प्रधानमंत्री से इसकी मांग करते, न कि विधानसभा भंग करने की। जाति जनगणना के फैसले का श्रेय सिर्फ और सिर्फ प्रधानमंत्री और नीतीश कुमार को जाता है। तेजस्वी को लालू यादव का एक भी वीडियो दिखाना चाहिए जिसमें वे जाति जनगणना की मांग कर रहे हों। उन्होंने कहा कि राजद के पास कोई एजेंडा नहीं है, उनका एकमात्र एजेंडा परिवारवाद है... दूसरा एजेंडा भ्रष्टाचार था। चारा घोटाला, अलकतरा

घोटाला, नौकरी के लिए जमीन घोटाला... अगर उनका एजेंडा सामाजिक न्याय है, तब उन्होंने (तेजस्वी यादव) 18 साल से कम उम्र वालों से हजारों करोड़ कैसे कमाए? राजद कार्यकर्ताओं से पूछिए कि वे पार्टी की सदस्यता के लिए क्या कीमत देते हैं। इसके पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनगणना में जातिगत गणना को भी शामिल करने के मोदी सरकार के फैसले का स्वागत कर कहा कि इस निर्णय से देश में विकास को और गति मिलेगी।

डीयू के नए पाठ्यक्रम में कश्मीर, मणिपुर, फिलिस्तीन मुद्दा शामिल करने पर विवाद

स्थायी समिति की बैठक में सदस्यों ने जताई आपत्ति, पैनल का किया गठन

नई दिल्ली।

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के मनोविज्ञान विभाग ने नए पाठ्यक्रम में कश्मीर मुद्दा, इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष और डेटिंग ऐप्स से जुड़ी आत्महत्याओं जैसे कई संवेदनशील विषयों को प्रस्तावित किया है। स्थायी समिति की बैठक में मंजूरी के लिए आए पाठ्यक्रम पर आपत्ति जताई गई है और मामले में एक पैनल का गठन कर दोबारा लिखकर लाने और विवादित विषयों को हटाने के लिए कहा गया है। संभव है कि प्रस्तावित पाठ्यक्रम पूरी तरह से बदल दिया जाए। मनोविज्ञान के पाठ्यक्रम में एक पेपर की चौथी यूनिट में कॉन्फ्लिक्ट एंड कॉन्फ्लिक्ट रिवॉल्यूशन में कश्मीर मुद्दा, फिलिस्तीन-इजराइल संघर्ष, उत्तर पूर्व के मणिपुर और नगालैंड जैसे विवादों को शामिल किया है। इन पर बैठक में आपत्ति जताई गई। स्थायी समिति की सदस्य ने आरोप लगाया कि समिति के अध्यक्ष प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने कहा कि कश्मीर मुद्दा हल हो चुका है और हमें इजराइल-फिलिस्तीन पढ़ाने की जरूरत नहीं है। एक अन्य सदस्य ने कहा कि कश्मीर को भारत की संसद ने विवादित मुद्दा नहीं माना है। छात्रों को इसे पढ़ाने का कोई औचित्य नहीं है। उत्तर पूर्व में सात राज्य हैं और दो राज्य मणिपुर और नगालैंड का चयन किया गया है, जहां विवाद खड़ा हो रहा है। मनोविज्ञान से इस तरह के विवादों का कोई सीधा संबंध नहीं है। स्नातक पाठ्यक्रमों में इन्हें शामिल करने से छात्रों पर बुरा असर पड़ेगा। एक अन्य सदस्य ने बताया कि नए पाठ्यक्रम के स्थान पर महाभारत और भगवद गीता जैसे भारतीय महाकाव्यों को शामिल करने की बात कही गई है। शिक्षकों का कहना है कि यह बदलाव वैश्विक शांति अध्ययन के परिप्रेक्ष्य को सीमित कर पाठ्यक्रम की व्यापकता को प्रभावित करेगा। इसके साथ ही मनोविज्ञान विभाग द्वारा प्रस्तावित एक और संशोधन में डिजिटल मीडिया खंड के अंतर्गत डेटिंग ऐप्स और उनके मनोवैज्ञानिक प्रभाव को शामिल करने का सुझाव था। विभाग का तर्क था कि हाल के दिनों में डेटिंग

एप्स के गलत इस्तेमाल से आत्महत्या के कई मामले सामने आए हैं, इसलिए छात्रों को इस पर शोध और समझ होनी चाहिए। समिति में इसे भारतीय पारिवारिक प्रणाली के खिलाफ पश्चिमी विचार कहकर अस्वीकार कर दिया। बैठक में माइनारिटी स्ट्रेस थ्योरी, विविधता का मनोविज्ञान, जातिगत भेदभाव और पितृसत्ता जैसे विषयों पर भी आपत्ति जताई गई। स्थायी समिति की एक महिला सदस्य ने कहा कि विभाग की अकादमिक स्वायत्तता पर राजनीतिक दखलअंदाजी हावी हो रही है। उन्होंने चेताया कि इस तरह के हस्तक्षेप से न केवल पाठ्यक्रम की गुणवत्ता प्रभावित होगी, बल्कि छात्रों की आलोचनात्मक सोच और समाज के जटिल पहलुओं को समझने की क्षमता भी सीमित हो जाएगी।

लैंडिंग से पहले फ्लाइट के इंजन ने काम करना किया बंद, जांच के आदेश

जयपुर।

जयपुर से चंडीगढ़ जाने वाली इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट लैंडिंग से पहले ही अचानक खराब हो गई। चंडीगढ़ पहुंचने से महज कुछ देर पहले ही फ्लाइट के दोनों इंजन ने कुछ देर के लिए काम करना बंद किया था। रिपोर्ट के मुताबिक ऑटो इग्निशन सिस्टम ने दोनों इंजन को तुरंत चालू कर दिया और तब जाकर विमान की लैंडिंग हुई। डीजीसीए ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक इंजन में इंधन जलना (फ्लेम आउट) बंद हो गया था। दरअसल, जयपुर एयरपोर्ट से चंडीगढ़ जाने वाली इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट सुबह 5.50 बजे अपने तय वक्त पर उड़ान भरी थी। इसके करीब एक घंटे 10 मिनट बाद सुबह 7 बजे चंडीगढ़ पहुंचना था, लेकिन लैंडिंग से करीब 15 मिनट पहले फ्लाइट के एक इंजन में अचानक फ्लेम आउट (इंजन जलना बंद) की समस्या हो गई। एक मीडिया रिपोर्ट में एयरलाइन सूत्रों के हवाले से लिखा है कि मौसम संबंधी कारणों से इंजन खराब हुआ, जिससे प्रोपेलर की गति (आरपीएम) में कमी आई और इंजन जलना कुछ सेकेंड्स के लिए रुक गया। हालांकि, इंजन नियंत्रण प्रणाली ने समस्या का तुरंत पता लगाकर ठीक कर दिया। यात्रियों

को उड़ान के दौरान कोई असामान्य अनुभव नहीं हुआ। सूत्रों के अनुसार जिस वक्त प्लेन चंडीगढ़ में लैंड हो रहा था। तब काफी तेज बारिश हो रही थी। इसे भी इंजन में खराबी का एक कारण माना जा रहा है। इस घटनाक्रम के बाद डीजीसीए ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

केदारनाथ के बाद अब कैलास मंदिर के कपाट खुले

धारचूला।

उत्तराखंड में केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री चारधाम यात्रा के बाद अब आदि कैलास मंदिर के कपाट खुल गए हैं। बम-बम भोले के जयकारे के साथ विधिवित इस साल की आदि कैलास यात्रा शुरू हो गई है। विदित हो कि पीएम मोदी ने 2023 में दर्शन किए थे। पार्वती सरोवर के समीप स्थित शिव मंदिर के कपाट हिंदु संस्कृति की मान्यता के अनुसार विधि विधान से खुले। इस दौरान बाबा भोलेनाथ कहते दर्शनों को गए भक्तों ने जोरदार जयकारे लगाए। शुक्रवार को प्रातःकाल पूजा अर्चना के साथ भगवान भोले नाथ के मंदिर के कपाट खुले। इसके बाद शिवलिंग में जलाभिषेक किया गया। इस दौरान महाआरती में देश के कई राज्यों से आए श्रद्धालुओं ने भाग लिया व पूजा अर्चना की। मंदिर में कपाट खुलते ही भक्तों ने बाबा भोलेनाथ के जय के उद्घोष से पूरा क्षेत्र गुंजायमान कर दिया। कड़ाके की ठंड के बीच भगवान भोले नाथ के दर्शनों को आए कई श्रद्धालुओं ने पार्वती सरोवर में पवित्र स्नान किया। इसके बाद शिव मंदिर पहुंचकर भगवान भोले नाथ की पूजा अर्चना की।

आईटीबीपी माउंट मकालू पर चढ़ने वाला पहला केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल बना

नई दिल्ली।

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के पर्वतारोहियों के एक दल ने नेपाल में स्थित दुनिया की पांचवीं सबसे ऊंची चोटी माउंट मकालू पर चढ़ने में सफलता हासिल की है। इसके साथ ही आईटीबीपी माउंट मकालू पर चढ़ाई करने वाला भारत का पहला केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल बन गया है। चीन सीमा के साथ एलएसी की सुरक्षा करने वाले बल ने कहा कि 8,485 मीटर ऊंची चोटी पर 19 अप्रैल को चढ़ाई की थी। यह अभ्यास नेपाल में माउंट मकालू और माउंट अन्नपूर्णा 8,091 मीटर के दोहरे अंतरराष्ट्रीय अभियान का हिस्सा था, जिसे 21 मार्च को दिल्ली से रवाना किया गया था। दोनों चोटियों पर पहली बार आईटीबीपी के 12 पर्वतारोहियों ने चढ़ाई की, जिनका नेतृत्व डिप्टी कमांडेंट अनूप कुमार नेगी ने किया।

कोलकाता में 'पर्पल लाइन' पर चलेंगी और मेट्रो, घटेगा समय

कोलकाता।

कोलकाता मेट्रो 'पर्पल लाइन' पर और ट्रेन चलाएगी, जिससे दो सेवाओं के बीच का अंतराल 50 मिनट से घटकर 22 मिनट कर दिया जाएगा। अधिकारियों ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि 'पर्पल लाइन' वर्तमान में शहर के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में जोका और माझेरहाट के बीच चल रही है। माझेरहाट से एस्प्लानेड तक निर्माण कार्य जारी है, जहां यह 'ब्लू लाइन' और 'ग्रीन लाइन' से जुड़कर मेट्रो नेटवर्क के बाकी हिस्सों से जुड़ जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार से जोका-माझेरहाट खंड पर 22 मिनट के अंतराल पर कुल 40 मेट्रो सेवाएं संचालित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इससे पहले 50 मिनट के अंतराल पर 18 सेवाएं संचालित की जा रही थीं। 'पर्पल लाइन' शनिवार और रविवार को बंद रहती है।

देहरादून पुलिस ने दुर्लभ सांप की तस्करी करने वाले 3 लोगों को किया गिरफ्तार

तस्करों से एक जीवित सांप बरामद, जिसकी कीमत करीब एक करोड़ रुपए

देहरादून। अंतरराष्ट्रीय संरक्षित पशुओं के तस्कर गिरोह लाडवा गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार करने में पुलिस ने सफलता हासिल की है। पुलिस ने गैंग के लोगों के कब्जे से एक जीवित सांप, संरक्षित प्रजाति को बरामद किया है। इस सांप की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब एक करोड़ रुपए है। गिरोह के सदस्यों द्वारा तांत्रिक क्रियाओं के लिए भारी कीमत पर बेचने के उद्देश्य से इस सांप की तस्करी की जा रही थी। एसएसपी देहरादून को तांत्रिक क्रियाओं के लिए प्रयोग में आने वाले दुर्लभ प्रजाति के सांप को बेचने संबंधी सूचना मिली थी। सूचना देने वाले ने बताया कि हरियाणा के एक वन्य जीव तस्कर गिरोह लाडवा गैंग के तीन सदस्य नहर रोड स्थित कूड़ा घाटी मार्ग विकासनगर पर एक बिना नंबर की सफेद स्विफ्ट में सवार हैं। उनके पास दो मुंह वाला सांप है। ये सांप अंतरराष्ट्रीय संरक्षित पशु के अंतर्गत आता है। इस पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर अनिल, अशोक और संदीप कुमार को गिरफ्तार किया और वाहन भी जब्त कर लिया है। इनके वाहन की तलाशी ली गई तो पिछली सीट पर एक बैग मिला। बैग खोलने पर पता चला कि उसमें एक जीवित दो मुंह का सांप है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

इस्राइल ने सीरिया के खिलाफ खोला मोर्चा, किए हवाई हमले ; राष्ट्रपति भवन के पास बरसाए बम

दमिश्क, एजेंसी। सीरियाई सरकार समर्थकों और अल्पसंख्यक ड्रूज समुदाय में छिड़ी लड़ाई के बीच इस्राइल ने सीरिया के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस्राइल की वायु सेना ने शुक्रवार तड़के सीरिया में हवाई हमले किए। इस्राइल ने सीरिया के राष्ट्रपति भवन के पास बम बरसाए। सीरिया की राजधानी दमिश्क के पास एक इलाके में सरकार समर्थकों और अल्पसंख्यक ड्रूज समुदाय के लोगों के बीच झड़प हो गई थी। इसमें 10 लोगों की मौत हो गई। इसे लेकर इस्राइल ने सीरियाई अधिकारियों को दक्षिणी सीरिया में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के गांवों की ओर न बढ़ने की चेतावनी दी थी। इस्राइल की सेना ने एक बयान में कहा कि लड़ाकू विमानों ने दमिश्क में राष्ट्रपति हुसैन अल-शरा के महल के पास हमला किया। जबकि सीरियाई मीडिया ने कहा कि यह हमला शहर के ऊपर एक पहाड़ी पर स्थित पीपुल्स पैलेस के निकट हुआ था। इससे पहले भी सीरिया पर इस्राइल ने बमबारी की थी। सीरिया के सूचना मंत्रालय ने कहा कि दो अलग-अलग हमलों में देश के सुरक्षा बलों के 11 सदस्य मारे गए। जबकि ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी संस्था सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि साहनाया और द्रुज बहुल दमिश्क उपनगर जरामाना में झड़पों में 56 लोग मारे गए, जिनमें स्थानीय बंदूकधारी और सुरक्षा बल के लोग शामिल हैं। राष्ट्रपति भवन के पास हमला करके इस्राइल ने सीरिया के नए नेतृत्व को कड़ी चेतावनी दी है। इससे पहले सीरिया के द्रुज आध्यात्मिक नेता शेख हिकमत अल-हिजरी ने सीरिया सरकार की कड़ी आलोचना की थी। उन्होंने सरकार समर्थकों की झड़प को अल्पसंख्यक समुदाय पर अनुचित नरसंहारक हमला बताया। ऐसे शुरू हुई लड़ाई द्रुज समुदाय के स्थानीय बंदूकधारियों और सरकार समर्थक लड़ाकों के बीच झड़प एक सोशल मीडिया ऑडियो क्लिप के चलते शुरू हुई, जिसमें एक व्यक्ति ने इस्लाम के पैगंबर मुहम्मद को लेकर बयानबाजी की गई। इस ऑडियो को एक द्रुज मौलवी से जोड़ा गया, लेकिन मौलवी ने इस आरोप से इंकार किया।

पोर्न एक्टर पर ब्रिटिश गे कपल की हत्या का आरोप :सिर काटकर फ्रीजर में रखा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में एक पोर्न एक्टर पर आरोप है कि उसने एक गे कपल (समलैंगिक जोड़े) का सिर काट दिया और उनके टुकड़े कर दिए। इसके बाद कटे हुए सिरों को फ्रीजर में रख दिया और बाकी बॉडी पार्ट्स को सूटकेस में भरकर एक पुल से नीचे फेंक दिया। द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक 35 साल के कोलंबिया पोर्न एक्टर योस्टिन आंद्रेस मोस्केरा पर आरोप है कि उसने 8 जुलाई, 2024 लंदन के शेफर्ड्स बुश इलाके के एक अपार्टमेंट में 71 साल के पॉल लॉन्गवर्थ और 62 साल के अल्बर्ट अल्फोंसो की हत्या कर दी। सरकारी वकील का दावा है कि मोस्केरा को 10 जुलाई की रात लंदन से 160 किमी दूर ब्रिस्टल शहर के फेमस क्लिफ्टन सस्पेंशन ब्रिज पर एक बड़े लाल सूटकेस के साथ देखा गया था। एक का हथौड़े से सिर फोड़ा, दूसरे को चाकू मारा आरोपी ने पहले लॉन्गवर्थ के सिर पर हथौड़े से कई हमले किए, जिससे उसका सिर फूट गया था। इसके बाद अल्फोंसो के चेहरे और शरीर पर चाकू से कई हमले किए। सरकारी वकील ने कोर्ट को बताया कि मोस्केरा ने हत्या के बाद डांस करते हुए खुद का एक वीडियो भी शूट किया था। मोस्केरा को 10 जुलाई की रात एक साइकिल सवार ने ब्रिज पर सूटकेस के साथ देखा था। तब उसने कहा था कि उसमें ऑटो पार्ट्स हैं, लेकिन उसमें लॉन्गवर्थ और अल्फोंसो के बॉडी पार्ट्स थे। अकाउंट से 4 लाख चुराने की कोशिश की आरोपी ने हत्या के बाद कपल के अकाउंट से 5,000 डॉलर (4 लाख रुपए) से अपने अकाउंट में ट्रांसफर करने और अरूसे 1000 डॉलर (84 हजार रुपए) कैश निकालने की भी कोशिश की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक मोस्केरा अक्सर ब्रिटिश जोड़े से मिलने जाता था और लॉन्गवर्थ और अल्फोंसो भी आरोपी से मिलने उसके देश जाते थे। यह मुकदमा अभी भी कोर्ट में चल रहा है।

कश्मीर छोड़ो, अब तो तालिबान भी भारत का समर्थन कर रहा; पाक सांसद ने लगाई आर्मी की क्लास

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रमुख धार्मिक नेता व सांसद मौलाना फजलुर रहमान ने भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर पाकिस्तानी सेना और सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कश्मीर मुद्दे पर ध्यान देने से पहले पाकिस्तान को अफगानिस्तान के मसले को सुलझाने की जरूरत है। मौलाना ने यह भी दावा किया कि अफगानिस्तान हमेशा से भारत का समर्थक रहा है और अब तो तालिबान भी भारत के पक्ष में खड़ा है। मौलाना फजलुर जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई-एफ) के प्रमुख हैं, जो पाकिस्तान में एक इस्लामी कट्टरपंथी राजनीतिक दल है।

क्या बोले मौलाना फजलुर रहमान : राजधानी इस्लामाबाद में पत्रकारों से बात करते हुए मौलाना फजलुर रहमान ने कहा, पाकिस्तान की सेना और सरकार की सोच से कोई फायदा नहीं हो रहा। कश्मीर के मुद्दे को बार-बार उठाने से पहले हमें अफगानिस्तान के हालात पर ध्यान देना होगा। अफगानिस्तान ने हमेशा भारत का साथ दिया है, और अब तो तालिबान भी भारत के साथ है। ऐसे में सेना की पुरानी नीतियां हमें और मुश्किल में डाल रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान को अपनी विदेश नीति और क्षेत्रीय रणनीति पर पुनर्विचार करना चाहिए, क्योंकि मौजूदा दृष्टिकोण से न तो कश्मीर मुद्दे का हल निकल रहा है और न ही क्षेत्र में शांति स्थापित हो रही है।

पाकिस्तानी सेना पर निशाना : मौलाना फजलुर रहमान ने पाकिस्तानी सेना की रणनीति को नाकाम करार देते हुए कहा कि सेना की एकतरफा सोच ने देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग कर दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद भी भारत ने वहां अपनी कूटनीतिक स्थिति मजबूत की है, जबकि पाकिस्तान के प्रभाव में कमी आई है।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था नीचे क्यों जा रही- मौलाना : इस्लामाबाद में आयोजित फिलिस्तीन के साथ एकजुटता और शहीद मौलाना हमीदुल हक की सेवाएं सम्मेलन को संबोधित करते हुए फजलुर रहमान ने कहा, जाहिर शाह से लेकर अशरफ गनी तक अफगानिस्तान में भारत समर्थक सरकारें रही हैं। वहां एक इस्लामिक अमीरात सरकार है जिसे हम कूटनीतिक सफलता के साथ पाकिस्तान समर्थक बनाने में सफल हो सकते थे, लेकिन हमने उन्हें भी दूर कर दिया है। सीमा के दोनों ओर मालवाहक वाहनों की लंबी कतार लगी हुई है और सार्वजनिक संपत्ति बर्बाद हो रही है। ये गलत नीतियां तब तक बनती रहेंगी जब तक सैन्य सोच में राजनीतिक और आर्थिक सोच को नहीं जोड़ा जाता। इंडोनेशिया, मलेशिया, अफगानिस्तान, ईरान, बांग्लादेश और चीन की अर्थव्यवस्थाएं बढ़ रही हैं। आखिर ऐसा क्या है कि इन सब देशों के बीच पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था नीचे जा रही है? जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के प्रमुख ने आगे कहा, सेना को मेरा संदेश यह है कि वे स्वीकार करें कि वर्तमान स्थिति में आपके पीछे कोई मजबूत राजनीतिक ताकत नहीं है। केवल यह बयान देना कि राष्ट्र एकमत है, ये पर्याप्त नहीं है। आज जब भारत के साथ यह मुद्दा उठा है तो पूरा देश एकमत है। हर लड़ाकू तैयार है, लेकिन अगर हम इसका विश्लेषण करें तो पाएंगे कि जब भारत की बात आती है तो राष्ट्र एक ही स्थिति में है, जबकि अगर अफगानिस्तान के साथ कोई मुद्दा है तो राष्ट्र एक ही स्थिति में नहीं होगा। क्योंकि दोनों की जमीनी स्थिति अलग-अलग है, इसलिए हम मीडिया पर हो रहे दुष्प्रचार से खुश नहीं होंगे। हमारी सोच और दृष्टिकोण आपसे बेहतर है। इसलिए आपको अपनी राजनीति, अपने लोगों, अपनी अर्थव्यवस्था और संसाधनों के साथ स्पष्ट रुख के साथ बैठना होगा। तालिबान और भारत का समर्थन? मौलाना का यह बयान कि तालिबान भी भारत का समर्थन कर रहा है काफी चर्चा में है। इसकी कई वजहे हैं। भारत ने अफगानिस्तान में मानवीय सहायता, बुनियादी ढांचे के विकास और कूटनीतिक संबंधों के जरिए अपनी स्थिति मजबूत की है। तालिबान के साथ भारत के सीमित लेकिन रणनीतिक संपर्क भी इस धारणा को बल दे रहे हैं। अफगानिस्तान से अमेरिकी (नाटो) फौज की वापसी के बाद भी भारत ने तालिबान के साथ संपर्क बनाए रखा ताकि वहां की आवाम को मानवीय सहायता जारी रहे। पाकिस्तान में बयान पर हंगामा मौलाना फजलुर रहमान के इस बयान ने पाकिस्तान में सियासी हलकों में हलचल मचा दी है। कुछ लोग उनके बयान को पाकिस्तानी सेना और सरकार के खिलाफ खुली बगावत के तौर पर देख रहे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर मुद्दे को लेकर लंबे समय से तनाव रहा है। लेकिन पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले ने इसे और बढ़ा दिया। पाकिस्तान को खौफ सता रहा है कि भारत उसके ऊपर कभी भी हमला कर सकता है।

ऑस्ट्रेलिया चुनाव में लेबर पार्टी जीती

दूसरी बार पीएम बनेंगे अल्बनीज

कैनबरा । ऑस्ट्रेलिया में लेबर पार्टी दोबारा चुनाव गई है। चुनाव आयोग के मुताबिक अब तक 55 प्रतिशत वोटों की गिनती हो चुकी है। लेबर पार्टी को 89 सीटों पर जीत हासिल हुई है, वहीं विपक्षी लिबरल-नेशनल गठबंधन 36 सीटों पर जीती है। चुनाव जीतने के लिए 76 सीटों की जरूरत होती है।

लेबर पार्टी की जीत से तय हो गया है कि एंथनी अल्बनीज एक बार फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे। 21 साल में यह पहली बार होगा जब कोई नेता दोबारा पीएम बनेगा। इसे पहले 2004 में लिबरल पार्टी के जॉन हावर्ड लगातार दूसरी बार चुनाव जीते थे। वहीं, विपक्षी लिबरल-नेशनल गठबंधन ने हार मान ली है। विपक्षी उम्मीदवार पीटन डटन अपनी खुद की सीट भी हार गए हैं। डटन का अपनी ही सीट हारना सदी की सबसे बड़ी राजनीतिक हारों में गिनी जा रही है। विपक्षी नेता पीटर डटन ने चुनाव में हार स्वीकार करते हुए कहा, हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, मैं इसके लिए पूरी जिम्मेदारी स्वीकार करता हूं।

चीन बोला- अमेरिका ने ट्रेड बातचीत शुरू करने के संदेश भेजे, हम प्रस्तावों का आकलन कर रहे

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने कहा है कि वह अमेरिका की तरफ से ट्रेड बातचीत शुरू करने के प्रस्तावों का फिलहाल आकलन कर रहा है। ये बयान अमेरिका और चीन के बीच चल रहे तनाव के बीच टोन में बदलाव दिखाता है, जो भविष्य में बातचीत के रास्ते खोल सकता है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, अमेरिका ने हाल ही में कई माध्यमों से चीन को संदेश भेजे हैं कि वह ट्रेड बातचीत शुरू करना चाहता है। चीन फिलहाल इन प्रस्तावों पर विचार कर रहा है। यह बयान ऐसे वक्त आया है जब बीजिंग अब तक अमेरिका के ट्रम्प सरकार की टैरिफ नीति पर सख्त और विरोधी रुख अपनाता रहा है। अब इस बयान से चीन के रुख में थोड़ी नरमी नजर आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पिछले हफ्ते से बार-बार कह रहे हैं कि उनकी सरकार चीन के अधिकारियों से ट्रेड डील को लेकर बातचीत कर रही है, लेकिन हर बार चीन की तरफ से इसे सिरे से खारिज किया गया है। शुक्रवार को चीन ने दोबारा कहा कि किसी भी बातचीत की शुरुआत से पहले कुछ शर्तें पूरी होनी जरूरी हैं। वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, टैरिफ और ट्रेड वॉर की शुरुआत अमेरिका ने एकतरफा की थी। अगर उसे बातचीत करनी है तो उसे ईमानदारी दिखानी होगी। इसके तहत उसे अपनी गलतियों को स्वीकार करना होगा।

भारत को धमकी दे रहे पाकिस्तान के अंदर सरकारी इमारतों पर हमला

बलूच लिबरेशन आर्मी ने क्वेटा कराची हाईवे को जाम कर दिया

कराची (एजेंसी)। भारत में आतंकवाद फैलाने वाले पाकिस्तान की खुद ही आंतरिक संघर्ष के चलते हालत खराब है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में पाकिस्तान का लिंक सामने आया था। लेकिन वे खुद आंतरिक संघर्ष से परेशान है। सिंध में पानी के बंटवारे के लिए हाहाकार मचा है और स्थानीय लोगों ने हाईवे जाम कर रखे हैं। इस बीच क्वेटा कराची हाईवे को बड़ी संख्या में बंदूकधारियों ने जाम कर दिया। इतना ही नहीं मौके से गुजर रहे वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया। यह घटना कलात जिले के मोंगोचार इलाके में हुई है। यहां पर इन लोगों ने कई सरकारी इमारतों को आग के हवाले कर दिया। इन इमारतों में नेशनल बैंक ऑफ पाकिस्तान का ऑफिस, स्थानीय अदालत सहित कई विभागों के कार्यालय शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि

अग्निकांड में बड़े पैमाने पर इमारतों को नुकसान पहुंचा है। खबर है कि पास में ही स्थित पाकिस्तान के एक आर्मी कैंप पर भी हमला हुआ था, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक इन लोगों ने नेशनल हाईवे पर खड़े वाहनों को चेक किया। कई बसों और कारों से लोगों को उतारकर पूछताछ की। इस दौरान हाईवे पर ट्रैफिक बाधित रहा। इस तरह के कराची से क्वेटा को जोड़ने वाले हाईवे को पूरी तरह ब्लॉक करके जांच करना बड़ी घटना है। माना जा रहा है कि बलूच लिबरेशन आर्मी के लोगों ने ही यह हमला किया था। वे पंजाबी मूल के लोगों को टारगेट करना चाहते थे। इसीलिए उन्होंने वहां मौजूद यात्रियों की पड़ताल की। ऐसी ही कई घटनाएं लगातार देखने को मिल रही हैं, जिसमें बलूच लिबरेशन आर्मी के लोगों ने पाकिस्तानी पंजाब के लोगों की टारगेट किलिंग कर दी।

सूत्रों का कहना है कि काफी देर तक सशस्त्र समूह ने कई इमारतों को अपने कब्जे में रखा। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद जैसे ही सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे तो ये लोग मौके से निकल गए। किसी को भी पाकिस्तानी सुरक्षा बल पकड़ नहीं पाए। यही नहीं काफी देर तक मशक्कत करने के बाद हाईवे को चालू कराया जा सका।

बांग्लादेश - अवमानना के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को कारण बताओ नोटिस

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और अवामी लीग की प्रतिबंधित छात्र शाखा बांग्लादेश छात्र लीग (बीसीएल) के नेता शकील आलम बुलबुल को अदालत की कथित अवमानना ??के मामले में कारण बताओ नोटिस जारी किया। स्थानीय मीडिया ने बताया कि आईसीटी अभियोजक गाजी एमएच तमीम ने दोनों व्यक्तियों को 15 मई तक कारण बताओ नोटिस का जवाब देने का निर्देश दिया है। न्यायाधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गुलाम मुर्तुजा मुजुमदार की अध्यक्षता में सोशल मीडिया पर लीक हुए एक वायरल ऑडियो क्लिप की सामग्री पर यह आदेश पारित किया गया, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री को दिखाया गया था, जिसके माध्यम से उन्होंने कथित तौर पर न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप किया और न्यायाधिकरण को धमकी दी। आईसीटी अभियोजक ने कहा कि जांच एजेंसी ने फोरेंसिक परीक्षण कराया और पुष्टि की कि आवाज शेख हसीना की है। पिछले वर्ष अगस्त में सत्ता में आने के बाद मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री, उनके परिवार के

सदस्यों और अवामी लीग समर्थकों के खिलाफ कई गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। पिछले महीने बांग्लादेश के एक न्यायाधिकरण ने 2013 में ढाका के शापला छत्तर में हुए कथित सामूहिक हत्याकांड के लिए हसीना और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) बेनजीर अहमद सहित चार अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इससे पहले जनवरी में ढाका में एक विशेष न्यायाधिकरण ने पूर्व प्रधानमंत्री हसीना और 11 अन्य लोगों के खिलाफ जबरन गायब किए जाने की घटनाओं के संबंध में गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। विडंबना यह है कि इस न्यायाधिकरण की स्थापना शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अपराध (न्यायाधिकरण) अधिनियम के तहत की गई थी, जिसका उद्देश्य 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान बांग्लादेश के भूभाग में पाकिस्तानी सेना द्वारा अपने स्थानीय सहयोगियों की मदद से किए गए नरसंहार, मानवता के विरुद्ध अपराध, युद्ध अपराध और अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत अन्य अपराधों के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों का पता लगाना, उन पर मुकदमा चलाना और उन्हें दंडित करना था। विश्लेषकों का मानना है कि यह घटनाक्रम यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार द्वारा किया जा रहा एक बड़ा राजनीतिक प्रतिशोध है, क्योंकि अगस्त 2024 में उनके पद से हटने के तुरंत बाद पूर्व प्रधानमंत्री और उनके समर्थकों के खिलाफ तुच्छ आधार पर कई मामले दर्ज किए गए थे। देश में लोकतंत्र की बहाली के संघर्ष में अग्रणी आवाज रहीं बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की बेटी हसीना को अपमानजनक तरीके से देश छोड़कर 5 अगस्त को भारत में शरण लेनी पड़ी थी। फरवरी में भारत से अवामी लीग समर्थकों को ऑनलाइन संबोधित करते हुए अपदस्थ प्रधानमंत्री ने यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर देश को कथित तौर पर आतंकवाद और अराजकता के केंद्र में बदलने का आरोप लगाया था।

21 हजार फिट पर पायलट को दिखी उड़न तश्तरी, भारी भरकम विमान पृथ्वी पर आया

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में एक यूएफओ यानी अनआइडेंटिफाइड फ्लाइंग ऑब्जेक्ट की तस्?वीर सामने आने से सनसनी मच गई। दावा किया जा रहा है कि दूसरे ग्रह से यह 1000 फुट का विमान पृथ्वी पर आया। यह अमेरिका के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र के ऊपर देखा गया। तस्वीर को यूएफओ डिस्क्लोजर एक्टिविस्ट्स द्वारा वाशिंगटन डीसी में आयोजित एक 'साइंस, नेशनल सिक्योरिटी एंड इनोवेशन' नामक पैनल डिस्कशन के दौरान पेश किया गया। तस्वीर में देखा जा सकता है कि इस उड़न तश्तरी के आकार की दिखने वाली चीज की बड़ी सी परछाई जमीन पर नजर आ रही है।

यह यूएफओ असली था या नकली। इस बारे में कोई नहीं जानता। ना ही किसी को यह स्पष्ट तौर पर पता है कि यह दूसरे ग्रह की किसी उड़न तश्तरी की तस्वीर है भी या नहीं। हालांकि इसे लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म जरूर हो गया है। इस तस्वीर को पूर्व पेंटागन अधिकारी और विवादित यूएफओ रिसर्चर लुइस ल्यू एलिजोंडो ने पेश किया। उन्होंने कहा कि यह तस्?वीर आज की नहीं बल्कि चार साल पहले यानी 2021 की है, जिसे एक कमर्शियल पायलेट द्वारा लिया गया है। जब फ्लाइट करीब 21,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ रही थी, तभी नीचे की तरफ यह यूएफओ उड़ रहा था। तस्वीर में एक चमकीला, सिल्वर रंग का डिस्कनुमा वस्तु दिखाई दी, जिसकी परछाई जमीन पर भी नजर आई। एलिजोंडो ने कहा कि उन्होंने स्वयं यह तस्वीर नहीं ली है। लिहाजा वो खुद इसकी प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं कर सकते।

इमरान की पार्टी के 82 कार्यकर्ताओं को जेल, जुर्माना भी लगा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक आतंकवाद निरोधी कोर्ट ने जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 82 कार्यकर्ताओं को पिछले साल हुए हिंसक विरोध-प्रदर्शन के सिलसिले में चार महीने जेल की सजा सुनाई है। बता दें इस्लामाबाद और रावलपिंडी में 26 नवंबर 2024 को हुए विरोध-प्रदर्शन के बाद 1500 से ज्यादा पीटीआई समर्थकों को गिरफ्तार किया गया था। इन लोगों ने सरकार पर पार्टी संस्थापक इमरान खान को रिहा करने का दबाव बनाने के लिए प्रदर्शन किया था।

बांग्लादेश से आई धमकी कहा- नॉर्थ-ईस्ट पर कब्जा कर लेंगे, यूनुस ने दी सफाई

ढाका (एजेंसी)। पाकिस्तान का अभी इलाज चल ही रहा था कि बांग्लादेश भी मानसिक रुप से बीमार होने लगा है। जिसकी वजह से वो अनर्गल बातें करना लगा है। बांग्लादेश के रिटायर्ड मेजर जनरल ए.एल.एम. फजलुर रहमान ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों पर कब्जा करने की धमकी दी है, जिसके बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने इस बयान से पल्ला झाड़ लिया है। इस घटनाक्रम ने भारत-बांग्लादेश संबंधों में पहले से मौजूद तनाव को और बढ़ा दिया है।

हालांकि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने इस बयान से खुद को अलग कर लिया। सरकार ने कहा कि फजलुर रहमान का बयान उनकी निजी राय है और यह सरकार के आधिकारिक रुख को प्रतिबिंबित नहीं करता। यूनुस सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि बांग्लादेश भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। विदेश मंत्रालय ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, ये टिप्पणियां बांग्लादेश सरकार की स्थिति या नीतियों को नहीं दर्शाती हैं, और इसलिए सरकार किसी भी रूप या तरीके से इस तरह की बयानबाजी समर्थन नहीं करती है।

यह विवाद उस समय और गहरा गया, जब हाल ही में मोहम्मद यूनुस ने भी पूर्वोत्तर भारत को लेकर एक टिप्पणी की थी। पिछले महीने अपनी बीजिंग यात्रा के दौरान यूनुस ने पूर्वोत्तर भारत को लैंडलॉक्ड क्षेत्र बताया था और बांग्लादेश को इस क्षेत्र के लिए समुद्र का एकमात्र संरक्षक करार दिया था। उन्होंने चीन को बांग्लादेश में अपना रणनीतिक नेटवर्क बढ़ाने का आग्रह भी किया था। इस बयान को भारत में खतरनाक माना गया और नई दिल्ली के रणनीतिक हलकों में इसकी कड़ी आलोचना हुई। दबाव बढ़ने पर यूनुस के विशेष दूत ने सफाई दी थी कि उनके बयान को गलत संदर्भ में लिया गया। इस बयान ने भारत में तीखी प्रतिक्रिया को जन्म दिया, क्योंकि पूर्वोत्तर भारत एक संवेदनशील क्षेत्र है और पहले से ही बांग्लादेश के साथ सीमा विवाद और अवैध घुसपैठ जैसे मुद्दों को लेकर तनाव बना हुआ है। रहमान का बयान ऐसे समय में आया है, जब

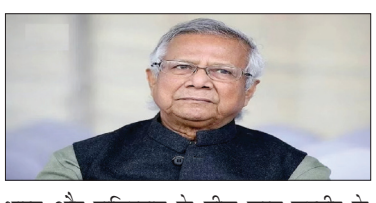

भारत और पाकिस्तान के बीच जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद तनाव बढ़ा हुआ है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में अब मनपा (नगर निगम) की नोटिस भी नकली

'नकली नोटिस में लिखा गया - हर गली में पांच-पांच मकान तोड़े जाएंगे'

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत से अब महानगरपालिका की नकली नोटिस का मामला सामने आया है। उत्राण इलाके की तापीनगर विभाग-2 सोसाइटी में लोगों के घरों पर तोड़फोड़ (डिमोलिशन) की नोटिस लगने से लोग घबरा गए थे। जब इस बारे में लोग नगर निगम कार्यालय पहुंचे तो पता चला कि उनके द्वारा ऐसी कोई नोटिस नहीं लगाई गई है। इसके बाद वहां के स्थानीय लोगों ने पुलिस को भी सूचना दी। फिलहाल पुलिस जांच कर रही है कि यह नोटिस किसी आपराधिक साजिश के तहत लगाई गई थी या सिर्फ शरारत के इरादे से।

उत्राण के तापीनगर विभाग-2 सोसाइटी के निवासी उस समय चौंक गए जब किसी अज्ञात व्यक्ति ने सोसाइटी के कई

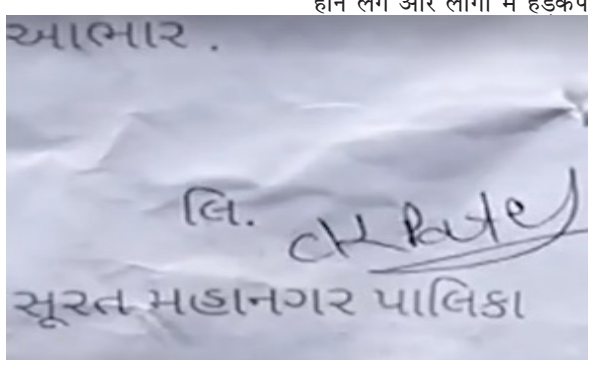

घरों की दीवारों पर नकली डिमोलिशन (तोड़फोड़) की नोटिस चिपका दी। इस नोटिस में लिखा गया था कि तापी नदी किनारे डिमोलिशन के लिए पाला और वॉकवे गार्डन के कारण तीन महीने का समय दिया जा रहा है और हर गली से पांच-पांच मकान हटाए जाएंगे। साथ ही, निवासियों से सहयोग की भी अपील की गई थी।

जब सुबह लोग उठे और घर के बाहर आकर इस नोटिस को पढ़ा, तो सोसाइटी में चिंता की लहर दौड़ गई। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए मकान टूटने का डर एक बड़ी समस्या बन जाता है, और ऐसी नकली नोटिस के चलते वे भारी परेशानी में पड़ गए। पूरी सोसाइटी में अफरा-तफरी मच गई और लोग नोटिस की सच्चाई जानने के लिए एक-दूसरे से पूछताछ करते नजर आए।

इस मामले से जुड़े कागज़ सोशल मीडिया पर वायरल होने लगे और लोगों में हडकंप मच गया, जिससे मामला सूरत महानगरपालिका (SMC) के अधिकारियों तक पहुंच गया। निगम ने तुरंत इस नोटिस को नकली घोषित किया और स्पष्ट किया कि उनकी ओर से ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की गई है। पालिका अधिकारियों ने यह भी साफ किया कि सोसाइटी के कुछ घरों पर पालिका के नाम से फर्जी नोटिस चिपकाई गई है और इस मामले में आपराधिक साजिश की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

इस मामले में निवासी पुलिस के पास पहुंचे और शिकायत दर्ज करवाई। पालिका प्रशासन ने भी ज़ोन के डीसीपी को सूचना दी और पुलिस स्टेशन में जांच की प्रक्रिया शुरू की गई है। फिलहाल पालिका और पुलिस मिलकर सोसाइटी का सटीक लोकेशन पता कर आगे की जांच में जुटी हैं। अधिकारियों का मानना है कि किसी व्यक्ति ने लोगों को डराने या शरारत करने की नीयत से ये फर्जी नोटिस चिपकाई होगी।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि हम पिछले 30 वर्षों से यहां रह रहे हैं। रात में कोई आकर ढाई बजे सूरत महानगरपालिका की नोटिस चिपका गया, जिसमें लिखा था कि पांच-पांच करके मकान खाली करवाए जाएंगे और वहां गार्डन बनाया जाएगा। यहां सभी साधारण वर्ग के लोग रहते हैं - कोई लूम्स फैक्ट्री में काम करता है तो कोई अन्य जगह मजदूरी करता है। यह किसी बिल्डर की साजिश हो सकती है। जब हमने नगर निगम को जानकारी दी, तो उन्होंने कहा कि उन्होंने ऐसी कोई नोटिस नहीं चिपकाई है। हमने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। आज किसी ने सूरत महानगरपालिका के नाम से नोटिस चिपकाई है, कल कोई इसका अन्य दुरुपयोग भी कर सकता है। ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

गर्भ में बच्चे का क्या? गर्भपात करवाना या नहीं यह सवाल जेल में बंद शिक्षिका के हाथ में

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

23 वर्षीय शिक्षिका और 13 वर्षीय छात्र के भागने की घटना सूरत सहित गुजरात में इन दिनों चर्चा का केंद्र बनी हुई है। पुणे पुलिस ने पांच दिन बाद शिक्षिका और छात्र को पकड़ लिया और जांच शुरू की, जिसमें शिक्षिका के मेडिकल रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ कि वह पांच महीने की गर्भवती हैं। शिक्षिका का कहना है कि इस बच्चे का पिता किशोर छात्र है, हालांकि पुलिस इस मामले में डीएनए टेस्ट करवाएगी। फिलहाल, शिक्षिका की रिमांड खत्म होने

के बाद उसे लाजपुर जेल में न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि शिक्षिका गर्भवती होने के बावजूद इसे अनजाने में मान रही है। बिना शादी के ही शिक्षिका गर्भवती हो गई है, जिससे अब इस गर्भ को रखना या नहीं, इस पर अनिश्चितता उत्पन्न हो गई है। शिक्षिका के काउंसलिंग के बाद इस पर निर्णय लिया जाएगा। इस प्रकार की समाज के लिए चुनौतीपूर्ण घटना को कैसे रोका जा सकता है और जब छोटी उम्र से महिलाएं और पुरुष यौन प्रवृत्तियों में आते हैं 13 साल की उम्र में यौन प्रवृत्तियों का आना अब सामान्य हो गया है। कानूनी रूप से इन गतिविधियों के लिए 18 साल की उम्र निर्धारित की गई है। इस अंतर के बीच अब सोचने का समय आ गया है। प्राकृतिक यौन प्रवृत्तियों को सही दिशा में मार्गदर्शन की आवश्यकता है। यह मुद्दा जितना कानूनी है, उससे कहीं ज्यादा सामाजिक जागरूकता का मुद्दा बनता जा रहा है।

पुणे क्षेत्र में रहने वाले किराने की दुकान के 23 वर्षीय मालिक के बेटे को पढ़ाने वाली 13 वर्षीय शिक्षिका 25 अप्रैल को उसे लेकर भाग गई थी। शुरुआत में यह कहा जा रहा था कि शिक्षिका ने पारिवारिक कारणों से उसे ले लिया है। पुलिस ने अलग-अलग टीमों का गठन किया और बस स्टेशनों, रेलवे स्टेशनों सहित अन्य स्थानों पर उसकी तलाश की। इस बीच, 30 अप्रैल को जब शिक्षिका नाबालिग के साथ जयपुर से लौट रही थी, तो पुलिस ने शमलाजी बॉर्डर के पास चलती बस से उन्हें पकड़ लिया। इस घटना से एक नया खुलासा हुआ, जिसमें यह सामने आया कि पिछले एक साल से शिक्षिका और नाबालिग के बीच प्रेम संबंध थे और कई बार शारीरिक संबंध भी बने थे। पुलिस ने जब शिक्षिका का मेडिकल परीक्षण कराया, तो एक और बड़ा खुलासा हुआ। शिक्षिका को 20 सप्ताह, यानी पांच महीने का गर्भ था। शिक्षिका ने गर्भ में बच्चे को 13 वर्षीय छात्र का बताया 23 वर्षीय शिक्षिका ने पुलिस से कहा कि वह गर्भवती हैं और उसे यह पता नहीं था। साथ ही, उन्होंने यह भी बताया कि गर्भ में जो बच्चा है, वह 13 वर्षीय छात्र का है। नाबालिग छात्र के यौन शोषण के मामले के साथ-साथ अपहरण और पोक्सो एक्ट की धाराएं भी जोड़ दी गईं। इस शिक्षिका को कोर्ट में पेश किया गया, और कोर्ट ने उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा था। 2 मई 2025 को रिमांड समाप्त होने के बाद, कोर्ट ने शिक्षिका को न्यायिक हिरासत में लाजपुर जेल भेज दिया।

11 महीने बाद फिर सुमुले किलो फेटे,20 की बढ़ोतरी

सूरत-तापी जिले के पशुपालकों में खुशी अब भैंस के दूध का 870,तो गाय के दूध का 830 मिलेगा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत और तापी जिले के ढाई लाख पशुपालकों के लिए अच्छी खबर आई है। सुमुल डेरी ने पशुपालकों को आर्थिक लाभ पहुंचाने के लिए दूध के भाव में किलोफेटे 20 की बढ़ोतरी की है। अब पशुपालकों को भैंस के दूध के लिए किलोफेटे 870 मिलेंगे, जबकि पहले 850 मिलते थे। वहीं गाय के दूध का भाव किलोफेटे 810 था, जिसे अब 830 किया गया है। यह घोषणा सुमुल डेरी के चेयरमैन मानसिंग पटेल ने की है।

इस मामले में सुमुल डेरी के निदेशक जयेश डेलाडे ने बताया कि सुमुल डेरी द्वारा जो निर्णय लिया गया है, उससे सूरत और तापी जिले के किसानों में खुशी का माहौल है। गाय और भैंस के किलो फेट के भाव में 20 की बढ़ोतरी होने से किसानों को करोड़ों रुपये का वार्षिक लाभ होगा। सुमुल डेरी के साथ सूरत और तापी जिले के कुल 2.5 लाख पशुपालक जुड़े हुए हैं। फेट के भाव में 20 की बढ़ोतरी से अनुमानित रूप से पशुपालकों को सालाना 70 करोड़ का फायदा होने वाला है। आजकल विभिन्न जीवन आवश्यक वस्तुओं के साथ-साथ पशुपालन के लिए पशु आहार और अन्य खर्चों में भी वृद्धि हो रही है। ऐसे में किलो फेट में 20 की बढ़ोतरी होने से हर पशुपालक को आर्थिक लाभ होगा।

सुमुल डेरी के साथ सूरत और तापी जिले के ढाई लाख पशुपालक जुड़े हुए हैं, खासकर महिला पशुपालकों की संख्या भी काफी है। सुमुल डेरी द्वारा पशुपालकों को लगातार फेट के भाव में वृद्धि की जा रही है। आज (3 मई, 2025) से 11 महीने पहले भी 20 की बढ़ोतरी की गई थी। पहले भैंस के दूध का किलोफेट 830 था, जिसे बढ़ाकर 850 किया गया था। वहीं गाय के दूध का किलोफेट 795 था, जिसे बढ़ाकर 810 किया गया था। फेट में होने वाली इस वृद्धि से पशुपालकों को आर्थिक रूप से काफी राहत मिलती है।

सूरत की गगन सिल्क मिल में सफाई कर्मचारी की मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की वरली स्थित गगन सिल्क मिल में एक दुखद घटना सामने आई है। मिल में सफाई कर्मचारी के रूप में काम कर रहे 68 वर्षीय बाबूसिंह राजपूत की 26 दिन की इलाज के बाद मौत हो गई है।

6 अप्रैल 2025 को दोपहर 2 बजे बाबूसिंह ड्रम मशीन के पास ड्रेनेज लाइन की सफाई कर रहे थे। गटर का पानी ओवरफ्लो होने के कारण उन्होंने गर्म पानी की पाइप पकड़ी। अचानक पानी का प्रवाह होने से उनका संतुलन बिगड़ गया और वे पाइप के साथ गिर गए।

सड़क व्यवस्था, यातायात को अधिक सुगम और सरल बनाने के लिए शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुल पानसेरिया की अध्यक्षता बैठक आयोजित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत मनपा के शहरी विकास विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक में ग्राम्य इलाकों को शहर से जोड़ने के लिए रोड नेटवर्क बनाने की योजना बनाई गई है। इस योजना के तहत, सूरत शहर और ग्रामीण इलाकों के बीच सड़क मार्गों का विकास किया जाएगा, जिससे इन क्षेत्रों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि यह योजना सूरत के विभिन्न गांवों को मुख्य शहर से जोड़ने के उद्देश्य से बनाई गई है।

हालांकि, यह योजना किस विशेष इलाके में लागू की जाएगी, इसके बारे में अभी तक विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन उम्मीद है कि जल्द ही अधिक जानकारी जारी की जाएगी। सूरत महानगरपालिका के क्षेत्र विस्तार के दौरान नए शामिल किए गए ग्रामीण इलाकों को शहर से प्रभावी रूप से जोड़ने और सड़क व्यवस्था, यातायात को अधिक सुगम और सरल बनाने के लिए शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुल पानसेरिया की अध्यक्षता में सूरत मनपा और शहर विकास विभाग के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई थी।

डॉक्टरों की लापरवाही से युवक की मौत का आरोप

सूरत और नवसारी की निजी अस्पतालों के डॉक्टरों की लापरवाही के कारण युवक की जान चली गई

न्याय की मांग को लेकर परिवार अदालत पहुंचा।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी का 28 वर्षीय युवक पथरी के दर्द से पीड़ित था। हालांकि, सूरत और नवसारी की निजी अस्पतालों के डॉक्टरों की लापरवाही के कारण युवक की जान चली गई, ऐसा आरोप उसके परिजनों ने लगाया है। अब परिवार न्याय की मांग को लेकर अदालत पहुंचा है। मुआवजे के लिए की गई याचिका को अदालत द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

युवक को पेट में दर्द होने पर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था

नवसारी निवासी कौशिक पटेल को पेट में दर्द की शिकायत थी और वे काफी पीड़ा में थे। इसलिए उन्हें नवंबर माह में नवसारी की INS अस्पताल में भर्ती किया गया था। उन्हें पथरी की बीमारी थी। वहां से उन्हें सूरत की शेल्बी अस्पताल में रेफर किया गया। कौशिक पटेल के परिजनों का आरोप है कि सूरत की शेल्बी अस्पताल के डॉक्टर द्वारा INS अस्पताल में कौशिक के पैर में इंजेक्शन दिया गया था, जिसके बाद उनकी तबीयत और बिगड़ गई। पेट में संक्रमण बढ़ गया और दायां पैर पूरी तरह से निष्क्रिय हो गया।

14 दिन की इलाज में पेट और पैर की सर्जरी इसके बाद कौशिक को बेहतर इलाज के लिए सूरत की शेल्बी अस्पताल में रेफर किया गया था। 14 दिनों के इलाज के दौरान उसके पेट और पैर की सर्जरी की गई और बाद में उसे दोबारा नवसारी की INS अस्पताल में लाया गया। हालांकि, कौशिक की तबीयत में कोई सुधार नहीं हुआ, जिसके चलते उसके क्षतिग्रस्त पैर की सर्जरी कर उसे काटना पड़ा और तीन दिन बाद ही कौशिक की मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि 30 लाख रुपये खर्च करने के बावजूद भी कौशिक की जान नहीं बचाई जा सकी। उन्होंने डॉक्टरों की लापरवाही को उसकी मौत का कारण बताया और उचित कार्रवाई की मांग की। अब परिवार न्याय के लिए अदालत पहुंच गया है।

शिवानी चौवाला (शिकायतकर्ता के वकील) ने बताया कि पेट के दर्द से पीड़ित कौशिक पटेल की मौत डॉक्टरों की गलती के कारण हुई है। पीड़ित परिवार न्याय के लिए अदालत पहुंचा है। सूरत की शेल्बी और नवसारी की INS पल्स अस्पताल के डॉक्टरों की लापरवाही थी। पथरी के मरीज के ऑपरेशन में चूक हुई थी। ऑपरेशन के बाद गैंगरीन हो गया और फिर पैर काटना पड़ा। मरीज कौशिक अरविंदभाई पटेल का इलाज के दौरान निधन हो गया।

इसके अतिरिक्त, बताया गया कि 30 लाख से अधिक खर्च करने के बावजूद भी परिवार का सदस्य नहीं बच सका, इसलिए 70 लाख का मुआवजा मांगते हुए अदालत में याचिका दायर की गई है। सूरत उपभोक्ता अदालत ने इस याचिका को मंजूर कर लिया है। मृतक कौशिक उनके परिवार के लिए एकमात्र कमाने वाला व्यक्ति था। वह M.R के रूप में नौकरी करते थे। फिलहाल मृतक की बहन ने इस लड़ाई की शुरुआत की है। आरोप दो अस्पतालों और चार डॉक्टरों पर लगाए गए हैं।

डिजिटल एरेस्ट, ऑनलाइन हनीट्रैप और सेक्सटॉर्शन जैसे बड़े नेटवर्क में अनिल नानूभाई खेनी को सुरत साइबर सेल ने गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत शहर में साइबर अपराध की जांच में पुलिस को फिर से बड़ी सफलता मिली है। डिजिटल एरेस्ट, ऑनलाइन हनीट्रैप और सेक्सटॉर्शन जैसे बड़े नेटवर्क में मध्यस्थ के रूप में काम करने वाले अनिल नानूभाई खेनी को सुरत साइबर सेल ने गिरफ्तार किया है। अनिल खेनी की उम्र 35 वर्ष है और वह उत्राण के सिल्वर लक्ज़ुरिया क्षेत्र में रहते हैं, जबकि उनका मूल निवास भावनगर जिले के गरियाधर तालुका के परवड़ी गांव का है। अनिल खेनी दुबई की गैंग के लिए काम कर रहा था

साइबर पुलिस के मुताबिक, अनिल खेनी दुबई में स्थित गैंग के लिए काम करता था। दुबई में मुख्य सूत्रधार मिलन उर्फ दरजी, सुरेश वाघेला और विवेक उर्फ मारुति के आदेश पर अनिल खेनी पीओएस मशीन की मदद से भारतीय बैंकों से करोड़ों रुपये की राशि निकालता था और फिर ये पैसे दुबई में मिलन दरजी तक पहुंचाता था। दुबई में चीनी गैंग भारतीयों को नौकरी पर रखकर दुनियाभर के लोगों को साइबर धोखाधड़ी में फंसा रही थी, और उससे प्राप्त पैसे भारतीय खातों में जमा होते थे, जिनके बाद ये पैसे दुबई भेजे जाते थे।

7 महीने पहले सुरत साइबर सेल ने बड़े वराछा और सरथाना क्षेत्र स्थित स्वाध्याय कॉम्प्लेक्स की ऑफिसों में छापे मारकर इस अंतरराष्ट्रीय रैकेट का पर्दाफाश किया था। जांच में यह सामने आया कि सुरत के मिलन दरजी और विवेक मारुति इस पूरे रैकेट के मुख्य आरोपी हैं। दुबई में बैठे इन व्यक्तियों ने भारतीय नागरिकों को नौकरी का लालच देकर डिजिटल धोखाधड़ी के लिए उनका उपयोग किया था। इस नेटवर्क को भारतीय बैंक खातों की आवश्यकता थी, इसलिए सुरत के अजय इटालिया, हिरेन बाबरिया, विशाल ठुम्मर, जल्पेश नडियाडरा, केतन वेकरिया जैसे एजेंटों की मदद ली जाती थी।

पुलिस के मुताबिक, सूरत, नवसारी और भावनगर में कार्टेल बनाकर लोगों से 10 से 15 हजार रुपये की लालच देकर उनके बैंक अकाउंट्स हासिल किए जा रहे थे। मिलन दरजी के संचालन में चलने वाले एजेंट्स के बीच यह कमीशन का लेन-देन होता था और फिर अकाउंट दुबई गैंग के हवाले कर दिए जाते थे।

अब तक इस पूरे केस में साइबर सेल ने कुल 10 लोगों की गिरफ्तारी की है, जिनमें 9 युवक तमिलनाडु के हैं। अनिल खेनी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उम्मीद जताई है कि अब मिली जानकारी के आधार पर दुबई में बैठे मुख्य सूत्रधार मिलन दरजी समेत अन्य वांछित आरोपियों तक पहुंचने में सफलता मिलेगी। पुलिस जांच में मिली जानकारी के अनुसार, अनिल खेनी ने बैंक किटों को कमीशन आधारित डील से प्राप्त किया था और फिर वह किटें दुबई भेजी गई थीं, जहां से पीओएस मशीन के माध्यम से डिजिटल चोरी के पैसे निकाले जाते थे। अपराध की गंभीर प्रकृति को ध्यान में रखते हुए अब अन्य राज्यों में भी जांच को विस्तारित किया जाएगा।